● वर्ष-2

● अंक-202

रायपुर, शनिवार
15 अप्रैल 2023

● पृष्ठ-6

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmailĐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

कर्नाटक में खेल बिगाड़ेंगे बागी

भाजपा के साथ कांग्रेस और जेडीएस में भी नाराजगी

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव में नेताओं की नाराजगी और दलबदल चरम पर है। टिकट बंटवारे के साथ राजनीतिक दलों में घमासान भी जारी है। जिनका टिकट कटा, उन्होंने बागी रूख अख्तियार कर लिया है। ऐसे बागी लगभग सभी बड़े दलों में हैं। हालांकि, सत्ताधारी भाजपा के बागियों की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। कहा तो ये भी जाने लगा है कि इस बगावत के चलते कहीं भाजपा का हाल हिमाचल प्रदेश वाला न हो जाए।

भाजपा के कई नेताओं ने इस वक्त बागी रुख अख्तियार कर लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता जगदीश शेट्टार को अब तक टिकट नहीं मिल पाया है। उन्होंने एलान कर दिया है कि वह चुनाव लड़ेंगे। बीएस येदियुरप्पा के बाद शेट्टार लिंगायत समुदाय के दूसरे बड़े नेता हैं। ऐसे में शेट्टार की नाराजगी से भाजपा में हलचल काफी अधिक है। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण संगप्पा ने भी भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने इस बात का एलान किया है।

मुडिगेरे से तीन बार के विधायक एम पी कुमारस्वामी ने और हावेरी से विधायक नेहरू ओलेकर ने टिकट नहीं मिलने के बाद बृहस्पतिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की। कुमारस्वामी ने भाजपा द्वारा टिकट काटे जाने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वह विधायक के तौर पर भी विधानसभा अध्यक्ष को जल्द ही अपना इस्तीफा सौंप देंगे।

अनुसूचित जाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाले 65 वर्षीय ओलेकर दो बार के विधायक हैं। पार्टी

द्वारा की गई अनदेखी से खफा ओलेकर ने सड़क पर उतर समर्थकों के साथ प्रदर्शन भी किया। ओलेकर की जगह हावेरी (एससी) निर्वाचन क्षेत्र में गविसिद्दप्पा दयामनवर को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। ओलेकर ने दावा किया कि हजारों भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

तुमकुरु शहर से टिकट के दावेदार पूर्व विधायक सोगाडू शिवन्ना ने भी भाजपा से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि पार्टी ने उनकी जगह जीबी ज्योति गणेश को मैदान में उतारने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनके समर्थकों और मतदाताओं ने उनसे चुनाव लड़ने के लिए कहा है और वह 20 अप्रैल से पहले अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

मंत्री और दक्षिण कन्नड़ जिले के सुलिया निर्वाचन क्षेत्र से छह बार के विधायक एस अंगारा ने फिर से टिकट ना मिलने पर राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। उडुपी के विधायक रघुपति भट ने कहा है कि वह पार्टी द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार से बहुत दुखी हैं।

रानेबेन्नूर विधानसभा सीट के लिए दावेदार भाजपा एमएलसी आर शंकर ने बुधवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। होसदुर्ग से विधायक गूलीहट्टी शेखर ने कहा है कि वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे या पूर्व मंत्री एवं खनन कारोबारी जी जनार्दन रेड्डी के नवगठित कल्याण राज्य प्रगति पक्ष में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, ''मैं अपने समर्थकों से विचार-विमर्श करने के बाद जल्द फैसला करूंगा।

भाजपा में टिकट न मिलने से नाराज होने वाले नेताओं की लिस्ट काफी लंबी है। ऐसे में पार्टी को डर है कि कहीं हिमाचल प्रदेश जैसा हाल यहां भी न हो जाए। यही कारण है कि पार्टी के बड़े दिग्गजों ने नाराज नेताओं को मनाने के लिए कमान संभाल ली है।

कांग्रेस में भी उठापटक

ऐसा नहीं है कि बगावत केवल भाजपा में है। कांग्रेस और जेडीएस नेता भी बागी रुख अख्तियार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि भाजपा से बगावत करके ज्यादातर नेता कांग्रेस और जेडीएस में ही शामिल हो रहे हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस और जेडीएस उन्हें टिकट देती हैं तो उस पार्टी के पुराने नेता नाराज हो जाएंगे। ऐसा दिख भी रहा है। कर्नाटक के पूर्व एमएलसी और कांग्रेस नेता रघु आचार ने बागी रुख अख्तियार करते हुए जनता दल (सेक्यूलर) का दामन थाम लिया है।

वहीं, कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कगोडु थिम्मप्पा की बेटी ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है। बुधवार को डॉ. राज नंदिनी भाजपा में शामिल हो गईं। इस दौरान भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा भी मंच पर उपस्थित थे। भाजपा में शामिल होने के बाद डॉ. राज नंदिनी ने कहा कि कांग्रेस ने बाहर से आए एक व्यक्ति को टिकट दे दिया। उन्होंने मुझे बताया तक नहीं। कांग्रेस ने मुझे टिकट नहीं दिया, इसलिए मैं कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई।

जेडीएस को भी लगे कई झटके

भाजपा और कांग्रेस के साथ-साथ जेडीएस को भी कई झटके लग चुके हैं। जेडीएस नेता अब्दुल अजीज ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन्होंने नरसिम्हाराजा विधानसभा क्षेत्र से टिकट मांगा था। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और प्रदेश इकाई के सचिव पद से अब्दुल अजीज के इस्तीफे का पत्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंगाई मंगलोते इब्राहिम को सौंपा गया है। बताया जाता है कि अब्दुल अजीत अब कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस नेता सिद्धारमैया से मुलाकात भी की।

कर्नाटक के आरसिकेरे निर्वाचन क्षेत्र के जनता दल (एस) विधायक के एम शिवलिंगे गौड़ा ने भी पार्टी छोड़ दी है। गौड़ा के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है। इसी तरह मांड्या से पूर्व लोकसभा सदस्य एलआर शिवराम गौड़ा भी पिछले दिनों सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए हैं।

तो किसका कितना होगा नुकसान?

बड़ी पार्टियों से टिकट पाने वाले दावेदारों की लिस्ट लंबी होती है। जिन्हें मिलता है, वह खुश हो जाते हैं और जिन्हें नहीं मिलता है, उनमें से कई बागी रुख अख्तियार कर लेते हैं। इस समय भाजपा, कांग्रेस और जेडीएस में भी यही हो रहा है। भाजपा में हो रही बगावत इसलिए चर्चा में है, क्योंकि यही पार्टी अभी सत्ता में है। ऐसे में बगावत का सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही उठाना पड़ सकता है।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

छत्तीसगढ़ में जल-जीवन मिशन

सामान्य तौर पर माना जाता है कि शासन का मुख्य कार्य जनता को सुरक्षा के साथ सड़क, बिजली-पानी देना है। देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है, गांव-गांव स्कूल और अस्पताले जरूरत पड़ने पर उन्हे एम्बुलेंस शहर भी लाया जा सकता है। सड़क,पुल-पुलिया ने पुरे देश को जोड़ दिया है। बिजली,इंटरनेट जैसी सुविधाएं बस्तर के दुरस्त अंचल तक पहुंच चुकी है,लेकिन स्वच्छ पेयजल अभी भी देश के प्रत्येक व्यक्ति को मुहैया नहीं हो पा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य भारत के हृदय स्थल पर है, यहां मानसून से 13 सौ मिलीमीटर बारिश होती है। इसके बावजूद ऐसी खबरें मिलती है कि एक बड़ी आबादी जमीन खोदकर झिरीया का पानी पी रही है। माना जाता है कि प्रदूषित जल पीने से बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ में लोग बीमार हो रहे है और मृत्यु भी हो रही है। इसका मुख्य कारण प्रदेश में सालभर बहने वाली नदी का अभाव है। प्रदेश की सबसे बड़ी नदी महानदी है। जिसमें शिवनाथ हसदेव जैसी नदियां आकर मिलती है, फिर वह ओडिशा चली जाती है। प्रदेश में एक समय के बाद नदिया सूख जाती है जिसके अनेक कारणों में मुख्य नदियों पर बने हुए बांध भी है। बांध भी इसलिए बनाये गए है कि आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई, निस्तारी और उद्योग के लिए पानी उपलब्ध हो सके। वर्षा का पानी नदियों से मिलकर समुद्र में बह जाता है इसलिए इसे रोकने के लिए प्रदेश में 6 सौ से अधिक एनीकट और बैराज का निर्माण किया गया है। प्रदेश की जनता को जल मिल सके इसके लिए नदियों पर किए गए निर्माण को लेकर ओडिशा को आपत्ति है। उनकी शिकायत है कि महानदी का पानी रोक लेने से ओडिशा राज्य की कृषि एवं अन्य लोग प्रभावित है। छत्तीसगढ़ में पुराने समय से तालाब आधारित जल व्यवस्था का इतिहास रहा है। कोई ऐसा गांव नहीं जहां आधा दर्जन से अधिक तालाब न हो, राजधानी रायपुर में ही एक समय 140 से अधिक तालाब हुआ करते थे धीरे-धीरे इन तालाबों का महत्व कम होता गया जबकि गांव में इन्हीं तालाब के पानी से लोग अपना आवश्यक कार्य करते थे। प्रदेश में भूमिगत जल की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। जहां पर तालाब है वहा पर पानी रिचार्ज होता है और कुंए से पानी मिल जाता है। जहां भूमिगत जल है वहा पर किसान और उद्योगपति अत्यधिक दोहन भी कर रहे है। यही कारण है कि भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इन परिस्थितियों के बीच में केन्द्र सरकार का जल-जीवन मिशन महत्वपूर्ण है। इस मिशन के तहत प्रदेश के हर गांव में पाइप बिछाकर नल का पानी पहुंचाने की योजना है। इसके लिए केन्द्र सरकार ने पैसे भी दिए है और यह काम तेजी से चल रहा है। 2024 तक मिशन का काम पूरा करना है, इस सीमा में छत्तीसगढ़ में काम हो पाएगा इसको लेकर संदेह है। एक तो जल-जीवन मिशन में अनियमितता की शिकायतें आ रही है। वहीं पाइप लाइन बिछा देने और नल की टोटी लगाने के बावजूद अभी तक गांवों में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसका एक बड़ा कारण पाइप लाइन में पानी पहुंचाने के स्त्रोतों का अभाव है। समन्वय नहीं होने के कारण यह कठिनाई आ रही है। मिशन का काम सफलता पूर्वक हो जाए तो गांव से लेकर शहर तक लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सकेगा।

रायपुर(छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बेहतर एवं सफल क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ को उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

भाजपा संविधान को कर रही कमजोर-भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार संविधान और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। इस वजह से लोकतंत्र खतरे में है। सीएम ने कहा कि देश के लोगों की सबसे बड़ी ताकत बाबा साहेब अंबेडकर ने दिया है। हमारा संविधान हमें अधिकार सम्पन्न बनाता है। मुख्यमंत्री ने इससे पहले अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी

तरफ बाबासाहेब अंबेडकर दबे कुचले समाज को अधिकार दिलाने के लिए संगठित कर संघर्ष कर रहे थे। बाबासाहेब ने समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को शिक्षित और संगठित होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी। बघेल ने कहा कि बाबा साहेब ने यह महसूस किया कि भारतीय समाज की सबसे बड़ी कमजोरी शिक्षा की है। उन्होंने भारतीय दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि हम पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। वैचारिक दृष्टि से हम बहुत ऊंचे हैं, लेकिन हमारा व्यवहार वैसा नहीं है। हमारे समाज में मनुष्यों के साथ भेद-भाव किया जाता है, समानता का व्यवहार नहीं किया जाता। बाबा साहेब सहित देश के अनेक महापुरूषों ने भारतीय समाज की इस बुराई को महसूस किया और इसके विरूद्ध लड़ाई लड़ी। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने दलितों, शोषितों और पीड़ितों की आवाज बनकर उनके अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब जैसे महापुरूष सदियों में एक बार पैदा होते है, उन्होंने हमें 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मंत्र दिया। उनके यही विचार हमें संघर्ष करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध के प्रज्ञा, करूणा और मैत्री के संदेश को आत्मसात किया। आज समाज को इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। बाबा साहेब कि ओर से दिया गया संविधान हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता का अवसर देता है। संविधान के चलते हमें आरक्षण मिला। बाबा साहेब ने समाज में बदलाव लाने का प्रयास किया। उनके नेतृत्व में लाखों लोगों ने नागपुर में बौद्ध धर्म की दीक्षा ली।

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने जाति प्रमाण पत्र का सरलीकरण किया है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां यदि माता-पिता के पास जाति प्रमाण पत्र है, तो नवजात शिशु को उसका जाति प्रमाण पत्र दे दिया जाता है।

प्रमुख समाचार

केजरीवाल को सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने नोटिस जारी कर

पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने 16 अप्रैल सुबह 11 बजे बुलाया है। जानकारी सामने आ रही है कि केजरीवाल से भी दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाले को लेकर सवाल जवाब करेगी। अब यह बात भी सामने आ रही है कि केजरीवाल सीबीआई मुख्यालय जाएंगे और जांच में शामिल होंगे। सीबीआई द्वारा केजरीवाल को पूछताछ के नोटिस भेजे जाने पर आम आदमी पार्टी की ओर से पहली प्रतिक्रिया देते हुए सांसद संजय सिंह ने ट्वीट कर लिखा, अत्याचार का अंत जरूर होगा। उन्होंने इस मुद्दे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मैंने अरविंद केजरीवाल से पहले ही कह दिया था कि जेल जाने का अगला नंबर आपका है।

कांग्रेस ने फिर उठाई जेपीसी जांच की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा अदाणी समूह के कथित चीन से लिंक और मॉरिस चांग को चीनी नागरिक बताए जाने वाला मामला थमता नजर नहीं आ रहा है। अब एकबार फिर कांग्रेस ने इस मामले को उठाया है। उन्होंने कहा कि मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से जांच कराना जरूरी है। गौरतलब है, कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि मॉरिस चांग एक चीनी नागरिक हैं। इसके साथ ही पार्टी ने यह दावा किया था कि इस व्यक्ति की कंपनी के अदाणी समूह के कार्यों में जुड़े होने से देश की सुरक्षा को खतरा है। अदाणी समूह के साथ रिश्तों को लेकर चर्चा में आए मॉरिस चांग ने कहा था कि मैं चीनी नहीं ताइवानी नागरिक हूं। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि %हम अदाणी के हैं कौन के तहत कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कई सवाल किए थे। पार्टी ने उनसे उनके पसंदीदा व्यापारिक समूह के चीनी नागरिक चांग के साथ संबंधों के बारे में पूछा था।

दया याचिकाओं पर फैसले में देरी, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दया याचिकाओं पर फैसले में हो रही देरी को लेकर राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश

दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों को ऐसी याचिकाओं पर जल्द से जल्द फैसला और निस्तारण करने का निर्देश देते हुए कहा कि दया याचिकाओं पर फैसले में हो रही अत्यधिक देरी का मौत की सजा पाए दोषी फायदा उठा रहे हैं। न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा अंतिम निष्कर्ष के बाद भी दया याचिकाओं पर फैसला करने में बेतहाशा देरी हो रही है। इससे मौत की सजा का उद्देश्य विफल हो जाएगा। पीठ ने कहा, 'इसलिए, राज्य सरकार या संबंधित अधिकारियों को सभी प्रयास करने चाहिए कि दया याचिकाओं पर जल्द से जल्द फैसला किया जाए।

ट्रक में सामान भरकर मां सोनिया के आवास पहुंचे राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी को संसद सचिवालय ने अयोग्य करार दिया, उन्हें 12 तुगलक स्थित बंगला खाली कराने के लिए कहा गया था। कांग्रेस

नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने 12 तुगलक रोड स्थित बंगले को खाली करना शुरू कर दिया। ट्रक में सामान भरकर राहुल गांधी 10 जनपथ स्थित सोनिया गांधी के निवास पर पहुंचे। मोदी सरनेम मानहानि मामले में राहुल गांधी को सूरत की अदालत ने सजा सुनाई थी। इसके बाद संसद सचिवालय ने राहुल गांधी को अयोग्य करार दिया। अयोग्य होने के बाद उन्हें एक नोटिस आया, जिसमें उन्हें 12 तुगलक स्थित बंगला खाली कराने के लिए कहा गया था। बंगला खाली करने के लिए उन्हें 22 अप्रैल तक का समय दिया गया था। इसी वजह से राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपना आवास खाली करना शुरू कर दिया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल कब तक सोनिया गांधी के आवास में रहेंगे।

शिक्षक भर्ती घोटाले में टीएमसी विधायक का नाम

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक के ठिकानों पर सीबीआई ने छापेमारी की कार्रवाई की है। सीबीआई ने शुक्रवार को बीरभूम, मुर्शिदाबाद और कोलकाता समेत छह ठिकानों पर तलाशी की। सीबीआई का आरोप है कि बुरवान से टीएमसी विधायक साहा भर्ती घोटाले में बड़े किरादर थे, जो कक्षा नौवीं और दसवीं के शिक्षकों की भर्ती के लिए उम्मीदवारों से कथित रूप से धन एकत्रित करते थे। पिछले साल अप्रैल में कलकत्ता हाईकोर्ट ने घोटाले की जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद एजेंसी ने हाईकोर्ट के निर्देशों पर केस दर्ज किया था। एजेंसी पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के पूर्व सलाहकार एसपी सिन्हा की भूमिका की भी जांच कर रही है। जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा था कि मामला शिक्षकों की भर्ती के घोटाले से जुड़ा है, इसलिए एक अलग मामला दर्ज किया जाना चाहिए। जस्टिस गंगोपाध्याय ने कहा था कि मामले में सीबीआई को जांच करने और डॉ. सिन्हा सहित समिति के अन्य सदस्यों से पूछताछ करने के निर्देश दिए जाते हैं।

बस्तर की रैली में प्रियंका का इशारा, बघेल होंगे सीएम चेहरा

राहुल संपाल

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उलझन खत्म हो गई है। आगामी चुनाव में पार्टी ने उनपर अपना पूरा भरोसा जता दिया है और ये संकेत दे दिया है कि अगला विधानसभा चुनाव भी उनके ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा। प्रियंका गांधी ने बस्तर के मंच से बघेल सरकार की न केवल जमकर तारीफ की बल्कि इशारों ही इशारों में ये बता दिया कि बघेल ही फिर से मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। प्रियंका गांधी ने बघेल के धुर विरोधी माने जाने वाले मंत्री टीएस सिंहदेव की मौजूदगी में कहा, मुख्यमंत्री कभी इधर-उधर की बात नहीं करते। वे कभी नकारात्मक बात या किसी की चुगली नहीं करते। प्रियंका के इस इशारे पर सियासी गलियारों में कई मतलब निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि आगामी चुनाव में बघेल ही सीएम का चेहरा होंगे। क्योंकि हाईकमान को उन पर भरोसा है। वहीं सीएम का भी राहुल-प्रियंका के साथ अच्छा तालमेल है।

साढ़े चार साल में बदला बस्तर

गुरुवार को एक दिवसीय प्रवास पर बस्तर पहुंचीं प्रियंका गांधी सीएम बघेल के साथ दंतेश्वरी मंदिर पहुंची। प्रियंका गांधी ने आदिवासी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और बस्तर में वनोपज से तैयार किए जाने वाले प्रोडक्ट देखने के साथ स्वाद चखा और उसकी तारीफ भी की। उन्होंने बस्तर काफी का स्वाद भी चखा, भरोसे का सम्मेलन सभा स्थल में अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने

कहा कि साढ़े चार साल में बस्तर बदल चुका है। यह कांग्रेस सरकार बनने के बाद ही मुमकिन हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बेहतर काम कर रहे हैं। अपने 18 मिनट के भाषण में प्रियंका ने छत्तीसगढ़ और खासकर के आदिवासियों से जुड़ाव की बात की। उन्होंने कहा कि यहां की आदिवासी संस्कृति की तारीफ उनकी दादी इंदिरा गांधी भी अक्सर करती थीं। यहां आने के बाद उन्होंने भी कुछ ऐसा ही महसूस किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री जब भी उनसे दिल्ली मिलने आते हैं तो किसी के बारे में चुगली नहीं करते बल्कि छत्तीसगढ़ में उनके द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताते हैं। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के विकास और जनता के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

आदिवासी बेल्ट पर नजर आएगा प्रियंका का प्रभाव

मुख्यमंत्री की तारीफ में प्रियंका गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने केवल बस्तर ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ को देश में एक ब्रांड बना दिया है, यहां सबसे ज्यादा धान खरीदी में एमएसपी दी जा रही है। बेरोजगारी दर सबसे कम है, बस्तर में फिल्मों की शूटिंग हो रही है नक्सली बैकफुट पर हैं और नक्सलवाद की वजह से जो स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र बंद थे, उन्हें दोबारा शुरू करवाया है। पांच लाख लोगों को वन अधिकार पट्टा दिया गया है, यहां का गौठान मॉडल विश्व प्रसिद्ध बन गया है, इसलिए छत्तीसगढ़ की गौमाता और जनता दोनों खुश हैं। प्रदेश के राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बस्तर के आदिवासियों के लिए प्रियंका गांधी केवल एक कांग्रेस नेता नहीं, बल्कि इंदिरा की पोती भी हैं। लिहाजा आदिवासियों का भावनात्मक लगाव भी प्रियंका गांधी से जुड़ा हुआ है। छत्तीसगढ़ में इस वक्त बस्तर लोकसभा समेत विधानसभा की सभी 12 सीटों में कांग्रेस के विधायक हैं और पार्टी इस बात को बखूबी जानती है कि सत्ता तक जाने की राह आदिवासी बाहुल्य बस्तर से होकर ही गुजरती है। इससे पहले गांधी परिवार से इंदिरा, राजीव, सोनिया और राहुल गांधी भी बस्तर आ चुके हैं।

दो राज्यों में साथ काम कर चुके हैं

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पहले यूपी और फिर हिमाचल प्रदेश में कमान संभाली थी। यूपी में तमाम कोशिशों के बावजूद पार्टी और प्रियंका को सफलता नहीं मिली। लेकिन हिमाचल प्रदेश में प्रियंका गांधी का जादू सिर चढ़कर बोला और कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की। हालांकि प्रदेश में हर पांच साल में सत्ता बदलने का ट्रेंड है, लेकिन फिर भी इस जीत का श्रेय प्रियंका गांधी के हिस्से गया। इन दोनों ही राज्यों में प्रियंका के साथ सीएम बघेल प्रभारी की भूमिका थे।

मुख्यमंत्री के भरोसे को मजबूत किया इस चौकड़ी ने

■ भरोसे का सम्मेलन को सफल बनाने में मंत्री लखमा, सांसद बैज और विधायक रेखचंद जैन व लखेश्वर बघेल की रही अहम भूमिका

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 13 अप्रैल को शहर के लालबाग मैदान पर आयोजित 'भरोसे का सम्मेलन' को उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता मिली। सम्मेलन में लगभग एक लाख लोग जुटे। जितनी भीड़ पंडाल के अंदर थी, उससे एक चौथाई लोग बाहर बैठकर बड़ी स्क्रीन पर कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देख रहे थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 'भरोसे का सम्मेलन' को सफल बनाने के लिए जो भरोसा बस्तर के चार बड़े नेताओं क्रमशः केबिनेट मंत्री कवासी लखमा, बस्तर के सांसद दीपक बैज, जगदलपुर के विधायक एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन तथा बस्तर के विधायक एवं बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल और बस्तर की जनता पर जताया था, उस भरोसे को इन चारों नेताओं ने टूटने नहीं दिया। चारों नेताओं ने मुख्यमंत्री श्री बघेल के भरोसे को और भी मजबूती दे दी है।

भरोसे का सम्मेलन कई मायनों में इतिहास रच गया। पहला तो यह कि सम्मेलन में 50 हजार से 75 हजार के बीच लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन उम्मीद से कहीं ज्यादा एक लाख लोग उमड़ पड़े।. पंडाल खचाखच भरा हुआ था। वहां लोगों के खड़े होने के लिए भी जगह नहीं बची थी। वहीं पंडाल के बाहर भी जबरदस्त भीड़ नजर आई। तेज गर्मी के बावजूद लोग खुले आसमान तले खड़े रहकर बाहर लगी विशाल स्क्रीन पर पंडाल के अंदर चल रहे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखते रहे। चिलचिलाती धूप और प्यास से सूखते कंठ की भी परवाह लोगों को नहीं थी। उमड़ी अपार भीड़ को देखने से लग रहा था कि बस्तर वासियों का भरोसा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उद्योग मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री कवासी लखमा, सांसद दीपक बैज, संसदीय सचिव एवं विधायक जगदलपुर रेखचंद जैन, बस्तर आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। दूसरी अहम बात यह रही कि भीड़ में महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले बहुत ज्यादा थी। पचासों महिलाएं अपने दूधमुहे बच्चों को लेकर पहुंची थीं। बस्तर के इन चारों नेताओं ने भरोसे का सम्मेलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए जो परिश्रम किया था, उसे दाद देनी पड़ेगी। श्री लखमा, श्री बैज, श्री जैन व श्री बघेल ने लोगों को सम्मेलन में लाने के लिए दिन रात एक कर दिए थे। सप्ताह भर पहले से ही चारों नेता संभाग के अलग अलग हिस्सों के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए जुट गए थे। इन नेताओं द्वारा बहाया गया पसीना व्यर्थ नहीं गया। उनकी श्रम - बिंदु यानि पसीने की हर बूंद जन - सागर बनकर जगदलपुर की धरा पर अवतरित हो गईं और सम्मेलन को सार्थक कर गई। नेताओं की यह चौकड़ी बस्तर संभाग की दशा और दिशा बदलने में भी लगी हुई है। इस चौकड़ी को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी भरपूर सहयोग मिलता है। बस्तर के समग्र विकास, जनता को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराने और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए ये चारों नेता प्रणप्राण से जुटे हुए हैं। इनकी मेहनत और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष कृपादृष्टि की बदौलत आज बस्तर लगातार विकास का नया आयाम रच रहा है। इन चारों जनप्रतिनिधियों की मेहनत की बदौलत सम्मेलन में बस्तर, कांकेर, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर जिलों के लोगों ने बढ़ चढ़ कर उपस्थिति दर्ज कराई।

उप स्वास्थ्य केंद्र खजुरी को प्रदेश भर में मिला प्रथम स्थान

बलरामपुर। कायाकल्प योजना वर्ष 2022-23 के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री टी. एस. सिंहदेव की उपस्थिति में पुरस्कार समारोह रायपुर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केंद्र खजूरी को प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर डॉ. बसंत सिंह ने जानकारी दी है कि कायाकल्प योजना के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं को बेहतर बनाने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं। कायाकल्प योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग तथा सहयोगी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारिओं की ओर से स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के आधार पर अंक प्रदान किये जाते हैं। इस क्रम में जिले के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्र खजुरी को पूरे छत्तीसगढ़ में पहला स्थान प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कायाकल्प अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के कुशल नेतृत्व में जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर पूरे छत्तीसगढ़ में पहले स्थान आने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं है।

डॉ. सिंह ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर मिला यह सम्मान निश्चित तौर पर हमें और बेहतर कार्य करने को प्रेरित करेगा। उन्होंने जानकारी दी कि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को सभी आवश्यक सेवाओं व सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, स्वास्थ्य विभाग की यह कोशिश है कि मरीजों को तुरंत जरुरी सुविधा मुहैया करायी जा सके। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार और आधारभूत सरंचनाओं के सुदृढ़ीकरण के कारण मरीजों का विश्वास स्वास्थ्य विभाग में बढ़ा है। इसमें कायाकल्प कार्यक्रम की अहम् भूमिका है। इसके अलावा जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रनहत को भी सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

नक्सलवाद नियंत्रण में है तो ऐसे बमबारी की जरूरत क्यों है: मनीष कुंजाम

सुकमा। सीपीआई के पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने सुकमा और बीजापुर जिले के सरहद पर हुए ड्रोन हमले की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले पामेड़ क्षेत्र के ग्राम जब्बागढटा, मीनागडटा, काठरगटटा, भट्टीगुडा आदि गांवों में फिर से ड्रोन व्दारा बमबारी करने की खबरें प्रसारित हो रही है, ड्रोन से ही नहीं बल्कि इस बार हेलीकाप्टर से भी आसमान से बम गिराये गये। इस बमबारी से कइयों के घायल होने की खबरें भी हैं।

मनीष कुंजाम ने कहा किकेंद्रीय गृहमंत्री ने कहा था कि नक्सलवाद नियंत्रण में है तो ऐसे बमबारी की जरूरत क्यो है? दूसरा सवाल क्या देश के भीतर देशवासियों पर हवाई हमला नही करने की राष्ट्रीय नीति को मोदी सरकार द्वारा बदल दिया गया है। तीसरा सवाल यह कि प्रदेश की सरकार का इस हवाई हमला में क्या भूमिका है? राज्य सरकार के बगैर अनुमति के ऐसे हमले कैसे सम्भव है। इन सवालों के सन्दर्भ में देखने व सोचने से स्पष्ट हो जाता है कि ये सब मामलों में भाजपा-कांग्रेस में कोई फर्क नहीं है। हमारी पार्टी इन हवाई हमलों की कड़ी निन्दा करती है, और मांग करते हैं कि ऐसे घटना की पुनरावृत्ति न हो।

उन्होने कहा कि यह महुआ बीनने का मौसम है लोग सुबह 4 बजे से महुआ बीनने घरों से निकलकर जंगल चले जाते हैं, और यह उसी वक्त की घटना है। उन्होने कहा कि महुआ फूल बीनने के साथ कि महुआ फूल बीनने के साथ ही आदिवासियों का सबसे प्रमुख त्यौहार बीज पण्डुम शुरू हो जाता है। पहले यही बीज पण्डुम मनाने के दौरान सारकेगुडा, एहसमेटा गांव में फोर्स द्वारा एकत्रित ग्रामीणों को रात्रि में घेर कर फायरिंग में मार डाला गया था। संदेह स्वाभाविक है कि आसमान से बम गिराने से सारकेगुडा घटना से भी बड़ी घटना हो सकती है।

4 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले के नक्सल ऑप्स कार्यालय में सीआरपीएफ की 226वीं बटालियन के टूआईसी रण विजय कुमार सिंह व डीएसपी रजत कुमार नाग के समक्ष 1 लाख के इनामी नक्सली के साथ 4 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों में सुकमा-दंतेवाड़ा जिले की सरहद में सक्रिय 1 लाख के इनामी मिलिशिया कमांडर मुचाकी देवा, मिलिशिया डिप्टी कमांडर मुचाकी जोगा, मिलिशिया सदस्य मुचाकी हुंगा व सोमार सभी कुकानार थाना के रहने वाले हैं। नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित करने में सीआरपीएफ व छिंदगड़ टीआई की सराहनीय भूमिका रही।

फिन आर्बिट फायनेंस सर्विसेस के दफ्तर में पुलिस ने जड़ा ताला, तीन गिरफ्तार

भिलाई नगर। लोन के नाम पर ठगी करने वाले फिन आर्बिट फायनेंस सर्विसेस, चौहान पार्क न्यू कोहका रोड जुनवानी के दफ्तर को स्मृति नगर पुलिस ने सील कर दिया है और इस मामले में कंपनी के संचालक जितेन्द्र सिंह, योगेन्द्र रविन्द्र पाटीदार एवं रोहित सिंह को गिरफ्तार किया है।

स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि इन पर आरोप है कि ये लोग आसान शर्तों पर ऋण सुविधा न्यूनतम कागजी कार्रवाई, किफायती ब्याज दरों पर पर्सनल लोन हजार रूपये एवं ग्रुप लोन 1 लाख रूपये तक आसान किस्तों पर उपलब्ध कराने का पम्पलेट छपवाकर अखबार में डलवाकर व सेल्स एक्सीक्यूटिव के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर प्रलोभन देकर ठगी कर रहे थे। सुशील साहू एवं अन्य करीब 300 लोगों से आरोपियों ने प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 2 से 6 हजार रूपये से लेकर दो माह में करीब लगभग 8 लाख रूपये की वसूली कर कार्यालय बंद कर भागने की तैयारी में थे लेकिन पुलिस ने सूचना मिलते ही उनके भागने से पहले वहां पहुंच गई और आरोपी जितेन्द्र सिंह (31 वर्ष) इंदौर मध्यप्रदेश, हॉल मुकाम स्मृतिनगर, योगेन्द्र रविन्द्र पाटीदार (31 वर्ष) मध्यप्रदेश, हॉल मुकाम स्मृति नगर, रोहित सिंह उर्फ राहुल (24 वर्ष) इंदौर मध्यप्रदेश, हॉल मुकाम स्मृतिनगर को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही पुलिस ने दफ्तर को भी सील कर दिया है।

हत्यारों की सूचना पर पुलिस देगी 10 हजार का इनाम

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में शक्तिघाट इलाके में 10 अप्रैल को रहीम मोहम्मद और ईदुल मोहम्मद की लाश मिली थी। अब ये 2 हत्याएं करने वालों का पता बताने पर पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। मामला साजा थाना क्षेत्र का है। बेमेतरा एसपी ने जो पत्र जारी किया है, उसमें लिखा है- सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला बेमेतरा के ग्राम बिरनपुर शक्तिघाट क्षेत्र में मृतक रहीम मोहम्मद और ईदुल मोहम्मद निवासी बिरनपुर शक्तिघाट की अज्ञात आरोपी ने हत्या कर दी थी। इसको लेकर साजा थाने में अपराध क्रमांक 92/2023, धारा 302 का केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

किसान ने की आत्महत्या, भाजपा सांसद ने कांग्रेस सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

राजनांदगांव। किसानों को लेकर लगातार सरकारें कई बड़े दावे करती है। लेकिन आज भी किसानों की स्थिति अच्छी नहीं दिखाई दे रही है। आज भी किसानों को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ क्षेत्र से आया है। यहां कर्ज के बोझ तले दबे किसान पुत्र ने 9 अप्रैल को आत्महत्या कर ली थी। इस मुद्दे को लेकर भाजपा अब जबरदस्त तरीके से राज्य की कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। भाजपा सांसद संतोष पांडे ने साफ तौर पर कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार की भ्रष्ट नीतियों की वजह से किसान पुत्र को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा। इसको लेकर उन्होंने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

संतोष पांडे ने इसको लेकर लिखा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार की भ्रष्ट नीतियों की वजह से आत्महत्या करने वाले खल्लारी के किसान पुत्र आनंद कंवर को न्याय दिलाने के लिए भाजपा किसान मोर्चा एवं ग्रामवासियों के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की घोर लापरवाही के कारण एक किसान के बेटे ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि डोंगरगढ़ के मेढ़ी समिति में लाखों का फर्जीवाड़ा भूपेश सरकार की भ्रष्ट नीति को उजागर करती है।

इससे पहले संतोष पांडे ने ग्राम खल्लारी में आत्महत्या करने वाले किसान आनंद कंवर के परिवारजनों से भेंट किया और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि मैं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मांग करता हूँ की जिस प्रकार उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों को 50 लाख की राशि दी थी उसी प्रकार वे कंवर राम के परिवारजनों को भी 50 लाख की सहायता राशि दें एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

फर्जी सील बनाकर सागौन की तस्करी करने वाला गिरफ्तार

बीजापुर। भोपालपट्टनम वन परिक्षेत्र में वनविभाग की फर्जी सील के माध्यम से अवैध सागौन की तस्करी करने वाले आरोपी सदानंद बेरोजी को डीएफओ अशोक पटेल के निर्देश पर एसडीओ नीतीश रावटे एंव भोपालपट्टनम रेंजर पुष्पेंद्र सिंह सहित वन अमले की टीम ने काफी मशक्कत के बाद कार्यवाही उपरांत गिरफ्तार कर जेल दाखिल करवा दिया है। ज्ञात हो कि सदानंद बेरौजी वन मंडलाधिकारी पर फर्नीचर और रिश्वत की मांग का आरोप लगाया था, जिसके बाद से ही वन विभाग सदानंदम बैरोजी पर नजर रखे हुए थे। वन विभाग के अनुसार आरोपी सदानंद बेरोजी भोपालपट्टनम के बफर क्षेत्र सहित सामान्य वनमंडल क्षेत्र में सागौन के पेड़ों को काटकर तेलंगाना के लकड़ी तस्करों को वनविभाग के फर्जी टीपी और सील के इस्तेमाल कर लगातार सागौन तस्करी को अंजाम दे रहा था।

जवानों की शहादत को याद करते हुए निकाला पैदल मार्च

जगदलपुर। जिला बस्तर में शुक्रवार को मुंबई डॉकयार्ड में हुए फायर कर्मियों को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। उसके बाद संभागीय सेनानी शेखर बोरवणकर द्वारा हरी झंडी दिखाकर जिले के फायर में तैनात कर्मचारी, आपदा मोचन बल महिला नगर सैनिक एवं नगर सेना के जवानों द्वारा फायर वाहनों के साथ सामूहिक रूप से जिले के मुख्य लालबाग मैदान से एसबीआई चौक, महावीर चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, संजय मार्केट, महारानी अस्पताल, चांदनी चौक, शहीद स्मारक, जमाल मिल, माडिया चौक, केंद्रीय विद्यालय चौक अंत में एनएमडीसी चौक में अग्नि सुरक्षा सप्ताह जागरूकता रैली का पैदल यात्रा किया गया। जिसमें आम नागरिकों को नारों के माध्यम से अग्नि से होने वाली दुर्घटनाएं एवं बचाव के उपाय के बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस को चकमा देकर आरोपी फरार

भाटापारा। आरोपी को जेल दाखिल करते वक्त लापरवाही बरतने वाले 2 आरक्षकों को लाइन अटैच कर दिया गया है। यह दोनों ड्यूटी के दौरान काम में लापरवाही बरत रहे थे। जेल से भागने वाले आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से फरार है। यह पूरा मामला भाटापारा ग्रामीण थाना का है। बता दें, भाटापारा ग्रामीण पुलिस को आरोपी चकमा देकर जेल से फरार हो गया। इतनी बड़ी लापरवाही की वजह से पुलिस प्रशासन पर कई सवाल खड़े हो रहे है। यह पूरी घटना तब हुई जब रेप के आरोपी को बलौदाबाजार के थाने ले जा रहे थे। आरोपी पर धारा 363, 366, 376 और 0406 पास्को एक्ट के तरत कार्रवाई जारी है। लेकिन इस वक्त पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। फरार आरोपी सोनू उर्फ आशुतोष निषाद संत माता कर्मा वार्ड भाटापारा का रहना वाला है। बता दें, जब अपर सत्र न्यायाधीश यानी भाटापारा न्यायालय का आदेश मिला तब उसे बलौदाबाजार थाने ले जाया जा रहा था। जेल दाखिल करते समय आरोपी सोनू और आशुतोष निषाद आरक्षकों को चकमा देकर फरार हो गया।

विक्की राजनांदगांव जिले के सह प्रभारी बने

रिसाली। छग प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, युवा मोर्चा प्रभारी विजय शर्मा व युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने नव मतदाता अभिनंदन एवं पार्टी विभिन्न कार्यक्रमों हेतु विधानसभा प्रभारी व सह प्रभारियों की नियुक्ति की है। जिसमें नगर पॉलिक निगम रिसाली के मैत्री नगर रिसाली के युवा भाजपा नेता व भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विक्की सोनी को भाजयुमो राजनांदगांव जिला विधानसभा) का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर विक्की सोनी ने कहा की पार्टी ने जिस आशा और उम्मीद के साथ यह दायित्व दिया है। उस पर पूरा खरा उतरने का प्रयास करूंगा। पूर्व में श्री सोनी युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष ,युवा मोर्चा कमल वाहिनी मंडल संयोजक,युवा मोर्चा डाटा एंट्री सहित संगठनों के प्रभारी रह चुके है।

आरटीई के तहत प्रवेश लेने में जम कर हो रही है लेन देन

मुंगेली। तहसील क्षेत्र के फुलवारी में उच्च शिक्षा दिलाने हेतु डीएवी पब्लिक स्कूल संचालित किया गया है पर पात्र बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डीएवी पब्लिक स्कूल फुलवारी में नियम को ताख पर रखकर प्रवेश लिया जा रहा है। छात्रों को उच्च शिक्षा दिलाने के नाम से पहले मॉडल स्कूल नाम से स्कूल संचालित किया गया था, उसके बाद निजी हाथों में डीएवी पब्लिक स्कूल को दिया गया तब से स्कूल की पढ़ाई लिखाई के साथ अन्य व्यवस्था चरमरा गयी है। जिनकी शिकायत पूर्व में अभिभावकों द्वारा किया गया था। डीएवी पब्लिक स्कूल में आरटीई के तहत निशुल्क प्रवेश देने के बजाय कथित तौर से अभिभावकों से आठ दस हजार रुपये लेकर नोडल अधिकारी एडमिशन के लिए नाम को सलेक्ट करते है, जिनकी जानकारी अनेक अभिभावक दबे आवाज में बोलते नजर आ रहे है। मिली जानकारी के अनुसार एजेंडानुसार अभिभावकों से संपर्क करता है, फिर लेन देन तय कर उन्हें आवेदन करने को कहा जाता है।

आदिवासी समाज की संस्कृति एवं पर्वों का संरक्षण कर रही भूपेश सरकारः संजीत

आदिवासी समाज के उत्थान के लिए राज्य में हो रहे निरंतर कार्य

मुंगेली। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी द्वारा लाल बाग मैदान जगदलपुर बस्तर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की गरिमामय उपस्थिति में आदिवासी वर्ग के उत्थान की दिशा में मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना का शुभारंभ किया। उपाध्यक्ष जिला पंचायत संजीत बनर्जी ने बताया कि इस योजना के तहत आदिवासी पर्वो के बेहतर आयोजन के लिए जनजातीय क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों को प्रति वर्ष 10 - 10 हजार रुपए की अनुदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। देव गुड़ियों के संरक्षण मेला-मड़ई, जात्रा पर्व, सरना पूजा, करमा, सरहुल, गौरा-गौरी, नवाखानी, अक्ति, छेरता आदि पर्वों के आयोजन के लिए राशि का प्रावधान किया गया है।सरकार द्वारा जनजातीय संस्कृति का सम्मान और संरक्षण की दिशा में यह एक दूरदर्शी निर्णय है।बनर्जी ने कहा कि जब से राज्य में मा. भूपेश बघेल जी की सरकार बनी है तब से आदिवासियों वर्ग के संस्कृति एवं पर्वो के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति को देश-दुनिया से परिचित कराने के लिए राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य जैसे गौरवशाली महोत्सव का आयोजन किया जाता है।राज्य में वन अधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए जल-जंगल-जमीन पर आदिवासी समाज के अधिकारों को पुष्ट किया है। हमने राज्य में व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन अधिकार पत्र और सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार के साथ-साथ रिजर्व क्षेत्र में भी वन अधिकार प्रदान करना शुरू कर दिया है।जल-जंगल-जमीन पर अधिकार सुनिश्चित होने से सरकार पर आदिवासियों का विश्वास और मजबूत हुआ है। हम उन्हें यह विश्वास दिलाने में कामयाब हुए है कि अब छत्तीसगढ़ में उनकी अपनी सरकार काम कर रही है। राज्य में आदिवासियों के उत्थान के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 2500 रूपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रूपये प्रति मानक बोरा किया गया है।इसी तरह 65 तरह के लघुवनोपजों को समर्थन मूल्य पर संग्रहण तथा उनके विक्रय की व्यवस्था करके स्थानीय स्तर पर इनका प्रसंस्करण और वेल्यू एडीशन करके हमारी सरकार ने न सिर्फ आदिवासियों की आय में बढ़ोतरी की है, बल्कि रोजगारों के अवसरों का भी निर्माण किया है।इसके अलावा प्रदेश में अब लघु वनोपजों की तरह लघु धान्य फसलों कोदो-कुटकी और रागी का भी समर्थन मूल्य तय करते हुए उनके संग्रहण तथा खरीदी की अच्छी व्यवस्था कर दी गई है।उन्होंने बताया कि पोषण से भरपूर लघु धान्य फसलों के प्रोसेसिंग से वर्तमान में हमारे महिला समूहों द्वारा 22 प्रकार के उत्पाद तैयार किये जा रहे है। इसमें स्वसहायता समूहों के माध्यम से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है और उन्हें आय का नया जरिया भी मिला है।

उप स्वास्थ्य केंद्र खजुरी को प्रदेश भर में मिला प्रथम स्थान

बलरामपुर। कायाकल्प योजना वर्ष 2022-23 के अंतर्गत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं स्वास्थ्य मंत्री टी. एस. सिंहदेव की उपस्थिति में पुरस्कार समारोह रायपुर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केंद्र खजूरी को प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर डॉ. बसंत सिंह ने जानकारी दी है कि कायाकल्प योजना के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं को बेहतर बनाने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं। कायाकल्प योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग तथा सहयोगी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारिओं की ओर से स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के आधार पर अंक प्रदान किये जाते हैं। इस क्रम में जिले के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्र खजुरी को पूरे छत्तीसगढ़ में पहला स्थान प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कायाकल्प अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के कुशल नेतृत्व में जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर पूरे छत्तीसगढ़ में पहले स्थान आने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं है। डॉ. सिंह ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर मिला यह सम्मान निश्चित तौर पर हमें और बेहतर कार्य करने को प्रेरित करेगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

2024 में भाजपा से लड़ने के लिए तैयार हैं : नीतीश कुमार

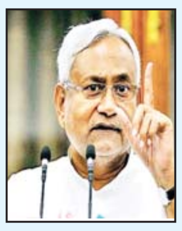

पटना। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने ऐलान कर दिया कि 2024 में लोकसभा चुनाव मे भाजपा से लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नारेबाजी के बीच नीतीश कुमार ने कहा कि कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल के नेता सहमत हैं। बुधवार ही बात हुई है। सब लोग तैयार हैं। विपक्षी दल के नेता एक साथ बैठ जायेंगे, इसके बाद तय होगा जायेगा। लगे हाथ उन्होंने यह भी ऐलान कर दिया कि जब सब कुछ तय हो जायेगा तो पूरे देश का दौरा करेंगे। जदयू प्रदेश कार्यालय में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजकल दिल्ली में जिनका राज है, वह कोई काम कर रहे हैं? वह खाली प्रचार में लगे हैं। वो इतिहास बदलने में लगे हैं। पुरानी चीजों खत्म करते चले जा रहे हैं। उनको आजादी की लड़ाई से मतलब था? कोई मतलब नहीं था। आजकल कुछ-कुछ बोलते हैं।

भाजपा के साथ हमारी लड़ाई विचारधारा की : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कांग्रेस की लड़ाई को 'विचारधारा की लड़ाई' करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा संविधान की मूल भावना के अनुसार नहीं चल रही है और देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। गहलोत ने बाबा साहेब की जयंती पर यहां आम्बेडकर सर्किल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''देश में संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं, लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता है अहिंसा का रास्ता अख्तियार करने की। हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती इस बात की भी है कि संविधान की रक्षा कैसे की जाये और लोकतंत्र मजबूत कैसे रहे।' गहलोत ने कहा, ''भाजपा के साथ हमारी लड़ाई विचारधारा की (लड़ाई) है। भाजपा संविधान की मूल भावना के अनुसार चल नहीं रही।

दिल्ली में फ्री बिजली की सुविधा होगी बंद

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सराकर ने लोगों को बड़ा झटका दे दिया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली की जनता को दी जाने वाली फ्री बिजली सब्सिडी पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इसकी जानकारी शुक्रवार को ऊर्जा मंत्री आतिशी ने दी है। उन्होंने बताया है कि दिल्ली के लोगों के लिए 14 अप्रैल से सब्सिडी वाली बिजली बंद हो जाएगी। अब जनता को सब्सिडी वाले बिल नहीं मिलेंगे। इसके लिए आप पार्टी ने उपराज्यपाल को जिम्मेदार ठहराया है। आतिशी ने बिजली की सब्सिडी को खत्म करने के फैसले के पीछे कारण दिया कि फ्री बिजली सब्सिडी बंद कर दी गई है क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार ने आने वाले वर्ष के लिए सब्सिडी को जारी रखने का फैसाल किया है। अभी वर्तमान में बिजली सब्सिडी वाली फाइल उपराज्यपाल के पास है। जब तक फाइल वापस नहीं आएगी तबतक आम आदमी पार्टी की सरकार सब्सिडी वाले बिल जारी नहीं कर सकेगी।

कर्नाटक कांग्रेस के साथ जुड़े पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी

बेंगलुरु। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान होने के बाद अब पार्टियों में बगावत के सूर भी देखने को मिल रहे है। भाजपा के पूर्व नेता और कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। इसकी पुष्टि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी कर चुके है। बता दें कि सावदी को बीजेपी ने अथानी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट नहीं दिया था जिससे नाराज होकर उन्होंने विधान परिषद के सदस्य और भाजपा की प्राथमिक सदस्यताा से इस्तीफा दिया था। इसके बाद उन्होंने अब कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में वह कुमाथल्ली (तब कांग्रेस में) से हार गए थे। कुमाथल्ली पाला बदलने वाले कांग्रेस के उस समूह में शामिल थे, जिसने कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन की सरकार को गिराने और 2019 में बी एस येदियुरप्पा के नेतृत्व में सरकार बनाने में मदद की थी।

भाजपा, कांग्रेस और जद का गणित बिगाड़ सकती है राकांपा

मुंबई। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) 40 से 45 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को उतार सकती है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार एनसीपी प्रमुख शरद पवार चाहते हैं कि पार्टी कम से कम 40-45 सीटों पर चुनाव लड़े और पार्टी इसके लिए व्यापक रणनीति पर काम भी कर रही है। इस विषय पर विचार करने के लिए शरद पवार शनिवार को मुंबई स्थित आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की बैठक भी बुला रहे हैं। शरद पवार ने कर्नाटक चुनाव को लेकर होने वाली बैठक की पुष्टि करते हुए कहा, कर्नाटक चुनाव के लिए कल मेरे मुंबई आवास पर एक बैठक होगी, जिसमें चुनावी योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। दरअसल इस कदम को एनसीपी द्वारा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा फिर से हासिल करने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

बिहू नृत्य ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री ने 14,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

गुवाहाटी। असम के नव वर्ष मनाए जाने वाले रोंगाली पर्व के मौके पर लोकनृत्य बिहू और पारंपरिक संगीत की प्रस्तुति कर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने के लिए असम के 11,304 नर्तकों और ढोल वादकों के साथ एक ही स्थान पर बिहू नृत्य करने और ढोल बजाया है। गुवाहाटी के सरुसजई स्टेडियम में एक साथ हजार से अधिक कलाकारों ने बिहू डांस कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में शामिल होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के वसंत उत्सव 'रोंगाली बिहू' के पहले दिन शुक्रवार को, एक दिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे। गुवाहाटी एयरपोर्ट पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इस एक दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14,300 करोड़ रुपये की लगात की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी और चिकित्सा महाविद्यालयों जैसी नयी सुविधाओं की शुरुआत से असम और पूरे पूर्वोत्तर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर में सामाजिक बुनियादी ढांचे में आमूलचूल सुधार सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में 1,123 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पहले एम्स को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए आयोजित एक समारोह में कहा, ''पहले की सरकारों के लिए पूर्वोत्तर दूर था... हम लोगों ने इसे करीब लाने के लिए समर्पण के साथ सेवा की है।''

उन्होंने एम्स, गुवाहाटी परिसर में आयोजित समारोह में कहा कि पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर में सामाजिक बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा, ''हम अपनी नीतियां देशवासी प्रथम के आधार पर बनाते हैं... (लेकिन) विपक्ष श्रेय लेने का भूखा है और ऐसे लोग देश को बर्बाद करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम लोगों के लिए 'सेवा भाव' के साथ काम करते हैं।'' प्रधानमंत्री ने एम्स, गुवाहाटी के साथ ही नलबाड़ी चिकित्सा महाविद्यालय, नागांव चिकित्सा महाविद्यालय, और कोकराझार चिकित्सा महाविद्यालय को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इन तीनों महाविद्यालयों का निर्माण क्रमशः लगभग 615 करोड़ रुपये, 600 करोड़ रूपये और 535 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

इनमें से प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में आपातकालीन सेवाओं, आईसीयू सुविधाओं, ओटी और डायग्नोस्टिक सुविधाओं आदि सहित ओपीडी व आईपीडी सेवाओं के साथ 500 बिस्तरों वाले शिक्षण अस्पताल संलग्न हैं। प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस छात्रों की वार्षिक प्रवेश क्षमता होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मई 2017 में एम्स, गुवाहाटी अस्पताल का शिलान्यास भी किया था। कुल 1123 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित, एम्स गुवाहाटी 30 आयुष बिस्तरों सहित 750 बिस्तरों वाला एक अत्याधुनिक अस्पताल है। इस अस्पताल में हर साल 100 एमबीबीएस के छात्रों की वार्षिक प्रवेश क्षमता होगी। यह अस्पताल उत्तर पूर्व के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीन प्रतिनिधि लाभार्थियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) कार्ड वितरित कर आपके द्वार आयुष्मान अभियान की औपचारिक शुरुआत की।

इसके बाद राज्य के सभी जिलों में लगभग 1.1 करोड़ एबी-पीएमजेएवाई कार्ड वितरित किए जायेंगे। मोदी ने असम एडवांस्ड हेल्थ केयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट (एएएचआईआई) का शिलान्यास भी किया। देश में स्वास्थ्य सेवा में उपयोग की जाने वाली अधिकांश प्रौद्योगिकियां आयात की जाती हैं और वे एक अलग संदर्भ में विकसित की जाती हैं, जो भारतीय परिवेश में संचालित करने की दृष्टि से अत्यधिक महंगी और जटिल होती हैं। एएएचआईआई की परिकल्पना इन्हीं सन्दर्भों को ध्यान में रखकर की गई है और यह संस्थान 'हम अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढ़ लेते हैं' वाले दृष्टिकोण के साथ काम करेगा। एएएचआईआई का निर्माण लगभग 546 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना है।

यह चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अत्याधुनिक आविष्कारों और अनुसंधान एवं विकास की सुविधा प्रदान करेगा, स्वास्थ्य से संबंधित देश की अनूठी समस्याओं की पहचान करेगा और उन समस्याओं को हल करने के लिए नई तकनीकों के विकास को बढ़ावा देगा। इससे पहले, असम के वसंत उत्सव 'रोंगाली बिहू' के पहले दिन शुक्रवार को एक दिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचने पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की।

केंद्रीय गृहमंत्री ने पश्चिम बंगाल के बीरभूम में भरी हुंकार

बंगाल की तानाशाह सरकार से मोदी दिलायेंगे मुक्ति : शाह

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुंकार भरी। उन्होंने बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की नाकामियां गिनायीं, तो केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों का बखान भी किया। उन्होंने कहा कि बंगाल की मां -माटी-मानुष की सरकार के अत्याचार, भ्रष्टाचार व तानाशाह सरकार है। उन्होंने कहा कि बंगाल में लोकतंत्र स्थापित करना है, तो 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 35 सीटें बंगाल में जितायें। अमित शाह ने कहा कि एनआईए यदि अमोनियम नाइट्रेट और डेटोनेटर जैसे विस्फोटक नहीं पकड़ती, तो आज न जाने कितने बेगुनाह लोगों की जान चली जाती। उन्होंने कहा कि गौ तस्करी करने वाले आज जेल की सलाखों के पीछे हैं। पश्चिम बंगाल में अत्याचार, भ्रष्टाचार आदि से मुक्ति दिलाने के लिए तानाशाह सरकार से मुक्ति सिर्फ नरेंद्र मोदी ही दिला सकते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में ममता दीदी की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए आप लोगों का समर्थन चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को बांग्ला नव वर्ष पर बीरभूम जिले के सिउड़ी के बेनीमाधव हाई स्कूल मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। चैत्र माह की भीषण गर्मी में लोगों का जनसैलाब उन्हें सुनने के लिए उमड़ा था। अमित शाह ने इस जनसभा में राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार की अराजकता के खिलाफ जमकर हमला बोला। श्री शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार के नेता और मंत्रियों का भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं है। राज्य के बेरोजगार युवकों को इस सरकार ने ठगा है।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंबेडकर के पांच तीर्थ स्थान का निर्माण कर उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति

बनाने का काम यदि किसी ने किया है, तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दादागिरी से दो-दो हाथ करने के लिए हमारे नेता शुभेंदु अधिकारी तैयार हैं।

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की जनता से कहा कि आपने हमें गत विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जिताकर हमें 38 फीसदी वोट दिया। हम इसके लिए आपके आभारी हैं। उन्होंने बंगाल की जनता का आह्वान किया कि हमें 35 से ज्यादा सीटें आगामी लोकसभा चुनाव में देकर मोदी जी को फिर प्रधानमंत्री बनाइये। इसके बाद हम देखते हैं कि बंगाल में रामनवमी के जुलूस में कौन हमला करता है। श्री शाह ने हावड़ा और रिषड़ा में रामनवमी जुलूस पर हुए हमले की तीव्र निंदा की। अमित शाह ने कहा कि 77,00,000 लोगों को शुद्ध पेयजल नरेंद्र मोदी ने दिया है। 55 लाख लोगों को मुफ्त दवाई देने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। इतना ही नहीं, 52,00,000 लोगों के घरों में उज्ज्वला योजना के तहत गैस देने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है। अमित शाह ने कहा कि गौ तस्करी बंद करना चाहते हैं, भ्रष्टाचार से मुक्ति चाहते हैं, तो केंद्र में एक बार फिर मोदी की सरकार बनाइये। अमित शाह ने पूछा कि पाकिस्तान को करारा जवाब ममता बनर्जी दे सकती है क्या? नहीं दे सकती। पाकिस्तान को करारा जवाब नरेंद्र मोदी ही दे सकते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

एशियाई चैंपियनशिप में अमन ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। युवा पहलवान अमन सहरावत ने एक बार फिर देश को गौरवान्वित कर दिया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। हालांकि इस स्वर्ण को पाने के लिए उन्होंने कड़ा संघर्ष किया है।

हरियाणा के झज्जर के अमन ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने का संकल्प लिया था और इसके चलते वह छह महीने से अपने घर नहीं गए हैं। उनका घर झज्जर के बिरहोड़ गांव में है। वह दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कोच प्रवीन दहिया के साथ अभ्यास करते रहे या फिर सोनीपत के बहालगढ़ में राष्ट्रीय शिविर में मौजूद रहे, लेकिन घर की दहलीज पर नहीं चढ़े।

कोच प्रवीण ने अमर उजाला को बताया कि अमन के लिए एशियाई चैंपियनशिप काफी अहम है। उसने पहले ही सोच लिया था कि मुझे इस चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतना है। वह अंडर-23 में विश्व चैंपियन तो बन गए थे, लेकिन एशियाई कुश्ती में भी उन्हें स्वर्ण जीतना था। वह पिछले साल अक्तूबर में दीवाली के बाद से अपने घर नहीं गए हैं। वह या तो हमारे साथ रहता था या फिर बहालगढ़ में था। मेरी जब उससे बात होती थी तो मैंने उससे कहा था कि तुम एक बार अपने घर चले जाया करो। लेकिन उसने मना कर दिया। उसका कहना था कि इससे मेरी तैयारियों पर असर पड़ सकता है।

हालांकि अमन का यहां तक पहुंचने का सफर भी आसान नहीं रहा है। उनके सामने कई कड़ी चुनौतियां थी, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। बचपन में उनके माता-पित का देहांत हो गया। फिर आर्थिक स्थिति भी खराब थी। एक छोटी बहन है जिसकी पढ़ाई का खर्च भी उनके कंधों पर था, लेकिन ये अमन थे जिन्होंने कभी घुटने नहीं टेके। कोच प्रवीन ने बताया कि उनकी खराब आर्थिक स्थिति खराब थी, लेकिन करीब चार महीने पहले जब उनकी रेलवे में नौकरी लगी तब जाकर थोड़ा सुधार हुआ।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश 2022-23 में 4.2 अरब डॉलर पर : एनारॉक

नईदिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश पिछले वित्त वर्ष में 4.2 अरब डॉलर पर स्थिर रहा। संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने यह जानकारी दी। इसमें से 22 प्रतिशत योगदान घरेलू निवेशकों ने किया। विदेशी निवेशकों का योगदान 75 फीसदी से ज्यादा रहा। दिल्ली के बाजार में कुल निवेश का 32 प्रतिशत हिस्सा आया, जबकि कार्यालय परिसंपत्तियों की कुल आवक में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। शाखा एनारॉक कैपिटल ने अपनी रिपोर्ट में मार्च को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान इस क्षेत्र में पूंजी प्रवाह का अध्ययन किया। निजी इक्विटी निवेश 2022-23 के दौरान 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर स्थिर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक पीई प्रवाह 2021-22 में 4.2 अरब डॉलर, 2020-21 में 7.2 अरब डॉलर, 2019-20 में 6.3 अरब डॉलर और 2018-19 में 5.3 अरब डॉलर था।

भारत मक्खन व अन्य डेयरी उत्पाद नहीं करेगा आयात

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि देश मक्खन और अन्य डेयरी उत्पादों का आयात नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू क्षेत्र की मदद से ही आपूर्ति में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसमें (डेयरी उत्पादों की कमी की खबरों में) कोई सच्चाई नहीं है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के प्रभारी रूपाला ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, इन उप्पादों का कोई आयात नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश में दूध की कोई कमी नहीं है और सरकार नियमित रूप से निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा, मांग बढ़ी है। हमारे पास विशाल अप्रयुक्त क्षेत्र है, हम इसका दोहन करने की कोशिश करेंगे। हम इसका उचित तरीके से प्रबंधन करेंगे और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने किसानों और उपभोक्ताओं से भी इस बारे में चिंता नहीं करने का आग्रह किया है।

हुंदै जून के बाद पेश करेगी एसयूवी एक्सटर

नयी दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह इस साल दूसरी छमाही में अपनी नई एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) एक्सटर बाजार में उतारने की योजना बना रही है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने बयान में कहा कि शुरूआती स्तर वाला नया मॉडल कंपनी के मौजूदा एसयूवी वेन्यू, वेन्यू एन लाइन, क्रेटा, एल्काजार, कोना इलेक्ट्रॉनिक, टुसो और आयोनिक-5 की पंक्ति में शामिल होगा। बयान के अनुसार, एक्सटर को वेन्यू से पहले रखा जाएगा, जो अभी कंपनी शुरुआती स्तर की एसयूवी है। इसे चालू वर्ष की दूसरी छमाही में पेश किया जाएगा। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा, एसयूवी श्रेणी में हुंदै एक्सटर हमारा आठवां मॉडल है और हमें विश्वास है कि हमारे परिवार का यह नया सदस्य एसयूवी बिक्री में हमारी वृद्धि को और गति प्रदान करेगा।

1 मई से महंगे हो जाएंगे टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को कहा कि लागत में हुई बढ़ोतरी के भार को कुछ कम करने के उद्देश्य से वह अपने यात्री वाहनों के दाम एक मई से बढ़ाएगी।टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि भिन्न मॉडल और संस्करण के लिए मूल्य वृद्धि अलग-अलग होगी। कीमत में औसत वृद्धि 0.6 फीसदी रहेगी। इससे पहले कंपनी ने फरवरी में भी यात्री वाहनों के दाम बढ़ाए थे। कंपनी ने कहा, 'नियामकीय बदलाव के कारण लागत बढ़ने और कुल निर्माण लागत बढ़ने का ज्यादातर भार कंपनी ने अपने पर लिया है लेकिन इस वृद्धि के जरिए कुछ भार उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है।' कंपनी ने इस साल फरवरी में यात्री वाहनों के दाम में औसतन 1.2 फीसदी की वृद्धि की थी।

उपभोक्ता धारणाएं उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं

महेश व्यास

मार्च 2023 में उपभोक्ता धारणाओं में मामूली तौर पर 1.2 प्रतिशत का सुधार हुआ। यह जनवरी और फरवरी में दर्ज की गई क्रमशः 4 और 5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में कम वृद्धि थी। हालांकि यह वृद्धि भी थोड़ी मुश्किल ही लग रही है। समग्र धारणाओं में दिखी वृद्धि वास्तव में बहुस्तरीय सुधारों को नहीं दर्शाती है।

यह शहरी क्षेत्रों में दिख रहे उत्साह और देश के ग्रामीण क्षेत्रों में दिख रही उदासीनता का मिला-जुला रूप है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि लोगों की उम्मीदों और मौजूदा आमदनी में सुधार हुआ है लेकिन इसका असर उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर खर्च करने के इरादे पर नहीं पड़ा है।

अर्थव्यवस्था में होने वाले बदलाव का प्रासंगिक संकेतक यह है कि अधिक परिवार उन वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च करने के लिए उत्साहित महसूस करते हैं जिस पर काफी सोच-समझ कर खर्च किया जाता है। बदलाव के ये संकेत अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं।

मार्च 2023 के दौरान, 24 प्रतिशत परिवारों ने कहा कि यह एक साल पहले की तुलना में उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर खर्च करने का बेहतर समय है। यह, एक साल पहले मार्च 2022 की तुलना में एक बड़ा सुधार है जब केवल 10.5 प्रतिशत परिवारों ने कहा था कि इस तरह के मदों पर खर्च करने का यह बेहतर समय है। लेकिन, 31 प्रतिशत परिवारों का मानना था कि एक साल पहले की तुलना में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च करने का यह एक खराब समय है।

इस तरह, शुद्ध आधार पर, 7 प्रतिशत परिवार अब भी मानते हैं कि टिकाऊ वस्तुओं पर खर्च करने के लिए यह बेहतर समय नहीं है। गैर-जरूरी वस्तुओं की खरीदारी पर खर्च करने के लिए परिवारों का झुकाव काफी नकारात्मक और निराशाजनक है, हालांकि वे सभी संकेतक जो सकारात्मक नतीजे दे सकते हैं वे सही दिशा में हैं। अन्य संकेतकों में घरेलू आमदनी और भविष्य की आमदनी की अपेक्षाएं, और लघु तथा मध्यम अवधि में कारोबार और आर्थिक माहौल से जुड़ी अपेक्षाएं शामिल हैं।

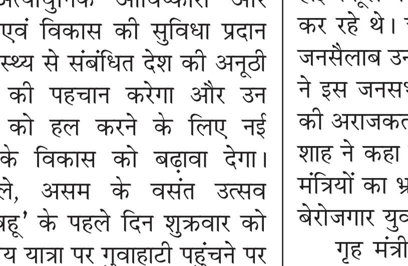

अप्रैल 2020 में कोविड-19 के झटके के बाद पहली बार, परिवारों ने कहा कि उनकी आमदनी एक साल पहले की तुलना में अधिक थी। फरवरी और मार्च 2023 में करीब 25-26 प्रतिशत परिवारों ने कहा कि उनकी आमदनी एक साल पहले के स्तर से अधिक थी और केवल 21-23 प्रतिशत ने कहा कि उनकी आमदनी कम थी। इस प्रकार, शुद्ध आधार पर 3 प्रतिशत से अधिक परिवारों ने कहा कि उनकी आमदनी, एक साल पहले की तुलना में अधिक थी।

एक साल बाद घरेलू आमदनी की उम्मीदें अप्रैल 2020 के बाद पहली बार मार्च 2023 में सकारात्मक हो गईं। करीब 25 प्रतिशत परिवारों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक साल बाद उनकी आय अधिक होगी और केवल 21 प्रतिशत को खराब आमदनी की आशंका थी।

24 प्रतिशत परिवारों के अनुसार, अगले 12 महीने में वित्तीय और कारोबारी स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है, जबकि 22 प्रतिशत को आशंका है कि स्थिति खराब होगी। शुद्ध आधार पर, करीब 2 प्रतिशत परिवारों को सुधार की उम्मीद है। फरवरी 2023 में परिवारों का रुझान इस मोर्चे पर सकारात्मक हो गया।

परिवारों में फरवरी के साथ-साथ पांच साल की अवधि के लिए भी सकारात्मक धारणा बनी और यह रुझान मार्च में भी बना रहा। सकारात्मकता का प्रतिशत 0.4-0.5 के स्तर पर कम था लेकिन अब भी अप्रैल 2020 के बाद पहली बार शुद्ध-सकारात्मक स्थिति बनी है।

अगर कोई परिवार कहता है कि शुद्ध आधार पर उनकी आमदनी में सुधार हुआ है और वे यह भी मानते हैं कि आने वाले वर्ष में उनकी आमदनी में सुधार के साथ ही व्यापार और आर्थिक स्थितियों में सुधार की उम्मीद है, तब परिवारों के लिहाज से इसे गैर-जरूरी वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करने का एक अच्छा समय मानने के लिए परिस्थितियां भी अनुकूल हैं।

क्या गहलोत के खिलाफ हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं पायलट

अभिनय आकाश

खुद किए तुमने अपनी दीवारों में सुराख, अब कोई झांक रहा है तो शोर कैसा गुलाम नबी आजाद ने अपनी हालिया ऑटोब्रायोग्राफी आजाद में इस शेर का प्रयोग किया है। डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के नेता ने अपनी आत्मकथा के जरिए बताया कि जब आप कांग्रेस में होते हैं तो आलाकमान के सामने रीढ़ विहीन होते हैं। उन्होंने क्षेत्रिय प्रभावशाली नेताओं को दरकिनार किए जाने और कमजोर नेताओं का बचाव करने की भी बात कही। इसके साथ ही आजाद ने अपनी किताब में विभिन्न राज्यों में आलाकमान की तरफ से क्षेत्रिय नेताओं को लेकर उछठाए गए कदमों का भी जिक्र किया। जिसकी वजह से पार्टी राज्यों में अस्तित्व विहीन होती चली गई।

उत्तर प्रदेश में 1975 के दौर में मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा हो या वीर बहादुर सिंह को राजीव गांधी द्वारा 1988 में बदला जाना। दोनों ही मौकों पर नारायण दत्त तिवारी ने मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था। 1975 में हेमवती नंदन बहुगुणा के कद को कम करते हुए कांग्रेस ने अपनी ही बर्बादी की इबारत लिखी। फिर 1988 में वीर बहादुर सिंह को बदला जाना कांग्रेस के लिए ताबूत में आखिरी कील सरीखा ही साबित हुआ। इसी तरह बिहार में जगन्नाथ मिश्रा के रूप में इंदिरा गांधी ने वही किया। जगन्नाथ मिश्रा ने राज्य की विधानसभा में केंद्र की माइनिंग पॉलिसी की आलोचना की थी। वो लगातार इस मुद्दे पर मुखरता से अपनी बात रखते आ रहे थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनकी अस्वाभाविक आलोचना को हल्के में नहीं लिया। उन्हें दिल्ली बुलाया गया और तीन सप्ताह में जगन्नाथ मिश्र को मुख्यमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया।

सोनिया गांधी ने 1999 में जेवी पटनायक को ओडिशा के सीएम के पद से हटाया। राहुल गांधी ने सोनिया गांधी के तरुण गोगोई को हिमंत बिस्व सरमा से रिप्लेस करने के फैसले को बदल दिया। 2014 में जब सरमा ने तरुण गोगोई कैबिनेट से इस्तीफा दिया। गुलाम नबी आजाद ने बताया कि जब कांग्रेस में रहने के दौरान हिमंता बिस्व सरमा ने 40-45 विधायकों के साथ बगावत कर दी थी। हिमंता बिस्व सरमा मेरे ज्यादा करीब था। साथ ही तत्कालीन राज्यपाल जेबी पटनायक भी मेरे करीबी थे। ऐसे में हालात संभालने की जिम्मेदारी मुझे दी गई थी। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने बताया कि मैंने हिमंता बिस्व सरमा को अपने समर्थक विधायकों के साथ दिल्ली आने को कहा था। हिमंता बिस्वा सरमा के समर्थन में 40-45 विधायक थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई को भी अपने समर्थक विधायकों के साथ दिल्ली आने को कहा गया। हालात देखकर पता चला कि हिमंता के पास ज्यादा समर्थन था। गुलाम नबी आजाद बताते हैं कि उन्होंने स्थिति की जानकारी सोनिया गांधी को दी। सोनिया गांधी ने अपनी स्वीकृति भी इस मामले में दे दी। आजाद बताते हैं कि जब वह असम जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनके पास राहुल गांधी का फोन आया और उन्होंने पूछा कि क्या हम असम मुख्यमंत्री को बदलने के लिए जा रहे हैं? आजाद बताते हैं कि राहुल गांधी ने हमें जाने से मना कर दिया जबकि वह उस समय पार्टी के अध्यक्ष भी नहीं थे। राहुल उस वक्त तरुण गोगोई और उनके बेटे के साथ चाय पीते नजर आए।

इसके बाद उन्होंने बताया कि कैसे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पार्टी छोड़ी। वो भी चुनाव से चार महीने पहले। कांग्रेस ऐसी ही गलती राजस्थान में भी कर रही है। रविवार के दिन सचिन पायलट ने 11 अप्रैल को एक दिन के भूख हड़ताल पर जाने की घोषणा की। पायलट का अनशन पूववर्ती वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच नहीं कराए जाने को लेकर थी। राजस्थान कांग्रेस में गर्मायी सियासत के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अशोक गहलोत का समर्थन किया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गहलोत ने सीएम के रूप में राजस्थान में कई बड़ी योजनाओं को लागू किया है। कई ऐसी नई पहल भी की गई है। जिनका लोगों को अच्छा लाभ मिला, जिससे लोग प्रभावित हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इन ऐतिहासिक उपलब्धियों और संगठन के सामूहिक प्रयासों से लोगों से नए जनादेश की मांग करेगी। बीजेपी भले ही राज्य में बंटी हुई नजर आ रही हो लेकिन सत्ताधारी पार्टी के बीच जारी इस खींचतान और एंटी इनकमबेंसी का असर चुनाव में देखने को मिल सकता है। वो भी ऐसे प्रदेश जहां हर पांच साल में सरकार बदलने की रवायत रही हो। लेकिन इन सब बातों से इतर कांग्रेस हाई कमान पंजाब वाला एक्सपेरिमेंट यहां भी दोहराना चाह रही है।

आरएलडी के जाट वोट बैंक पर कब्जे की जंग

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकदल यानी आरएलडी की मान्यता खत्म होने से छोटे चौधरी जयंत सिंह की सियासत पर ग्रहण लग गया है। इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री और दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने सहित कई सरकारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले किसान नेता चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी की राजनैतिक पारी पर यदि विराम लग जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जयंत चौधरी के पास आगे की सियासत चलाने के लिए अब बहुत कम विकल्प बचे हैं। अब या तो वह अपनी पार्टी को किसी और समान विचारधारा वाले दल में समाहित कर लें या फिर पार्टी को पुनः खड़ा के लिए संघर्ष करें, जो आसान नहीं है। रालोद की क्षेत्रीय दल की मान्यता छिनने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो सकता है। रालोद के वोटरों को अपने लिए नये विकल्प तलाशने होंगे। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ बहुजन समाज पार्टी को भी फायदा हो सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में करीब पांच दशकों के बाद ऐसा मौका आया है, जब चौधरी चरण सिंह के खानदान की राजनैतिक विरासत पूरी तरह से खत्म होती नजर आ रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने जिस राष्ट्रीय लोकदल से राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा छीना है उसकी नींव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने रखी थी। इस समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी हैं। बताते चलें कि राष्ट्रीय लोकदल नाम की पार्टी बनाने का सपना सबसे पहले अजीत सिंह के पिता पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी चरण सिंह ने 1974 के चुनाव में देखा था। उन्होंने ही लोकदल के नाम से पार्टी की मान्यता के लिए आवेदन किया। लेकिन मान्यता नहीं मिली। इसके कारण चौधरी चरण सिंह के उम्मीदवारों ने बीकेडी के बैनर से ही चुनाव लड़ा, लेकिन चुनावी सभाओं में लोकदल का नया बैनर भी लहराया जाता था। देश के कई दिग्गज कर्पूरी ठाकुर, बीजू पटनायक आदि इस दल में साथ रहे। इस चुनाव में इगलास व गंगीरी सीट बीकेडी ने जीती। इमरजेंसी के बाद सातों सीटों पर कब्जे का इतिहास भी 1977 में चरण सिंह के नेतृत्व में रचा गया।

1985 के चुनाव में लोकदल का उदय हुआ। पार्टी के बैनर पर इगलास व खैर सीट पर जीत दर्ज हुई। इसी चुनाव में मुलायम सिंह पार्टी में शामिल हुए। जातिवाद को बढ़ावा देने के आरोप से बचने के लिए मुलायम सिंह को विरोधी दल के नेता का जिम्मा और राजेंद्र सिंह को प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा दिया गया। 1989 के चुनाव में पिता के देहांत के बाद अजित सिंह के हाथ पार्टी की कमान आई। यह चुनाव जनता दल के बैनर तले लड़ा गया, लेकिन पार्टी अलीगढ़ में हार गई। सिर्फ एक खैर सीट जीत सकी। खुद राजेंद्र सिंह इगलास से चुनाव हार गए।

तत्पशचात 1991 में राजेंद्र सिंह के एमएलसी बनने के बाद दोनों परिवारों में अलगाव के चलते लोकदल की विरासत को लेकर टकराव हुआ तो अजित सिंह ने जनता दल के बैनर तले प्रदेश में चुनाव लड़ा। अलीगढ़ जिले की खैर सीट पर जगवीर सिंह को जिताया। 1996 के चुनाव में मतभेद इस कदर दिखाई दिए कि अलीगढ़ की एक भी सीट अजित सिंह नहीं जीत सके। इस चुनाव के बाद राजेंद्र सिंह सियासत से पूरी तरह दूर हो गए। दोनों परिवारों में मतभेद के बीच कोर्ट के जरिये राजेंद्र सिंह के पुत्र सुनील सिंह को लोकदल का वारिसाना हक मिल गया। इसी के चलते अजित सिंह को 1996 में राष्ट्रीय लोकदल के नाम से नई पार्टी का गठन करना पड़ा, लेकिन चौधरी अजीत सिंह देश-प्रदेश की सियासत में कोई खास धमाका नहीं कर पाए। उनका सारा ध्यान जाट वोटरों पर लगा रहता था। अकेले दम पर चुनाव लड़ने से भी चौधरी अजीत सिंह बचते रहते थे। कुल मिलाकर चौधरी चरण सिंह की मौत के बाद उनके पुत्र अजीत सिंह और बाद में चरण सिंह के पौत्र जयंत सिंह अपने बाप-दादा की सियासत को बचा नहीं पाए।

बात चौधरी चरण सिंह के सियासी रूतबे की कि जाए तो एक जाट परिवार में जन्मे, चरण सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन के हिस्से के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। आजादी के बाद 1950 के दशक में भारतीय किसानों की भलाई के लिए नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि उपयोग नीतियों के खिलाफ लड़ाई का विरोध करने और जीतने के लिए वे विशेष रूप से उल्लेखनीय हो गए। वह सभी ग्रामीण और कृषक समुदायों के बीच बहुत लोकप्रिय थे, उनका राजनीतिक आधार पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा था। 1929 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। उन्होंने 1937 से संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) राज्य विधानसभा में सेवा की।

फरवरी 1937 में वे 34 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश (संयुक्त प्रांत) की विधान सभा के लिए चुने गए। 1938 में उन्होंने विधानसभा में एक कृषि उपज बाजार विधेयक पेश किया, जो 31 मार्च के दिल्ली के हिंदुस्तान टाइम्स के अंक में प्रकाशित हुआ था। 1938 के विधेयक का उद्देश्य व्यापारियों की लोलुपता के खिलाफ किसानों के हितों की रक्षा करना था। इस विधेयक को भारत, पंजाब के अधिकांश राज्यों द्वारा अपनाया गया था। 1940 में ऐसा करने वाला वह पहला राज्य था। इस प्रकार उनका राजनीतिक जीवन काश्तकारों के अधिकारों का समर्थन करते हुए कांग्रेस रैंकों के माध्यम से शुरू हुआ। प्रारंभिक कांग्रेस नीति के खिलाफ काम करते हुए और ज़बरदस्त ज़मींदार के प्रभाव से लड़ते हुए, उन्होंने भूमि के किसानों के स्वामित्व के लिए समर्थन जुटाया, सुधारों को लागू किया और किसानों पर कर वृद्धि को रोका। उन्होंने किसानों को एक आक्रामक राजनीतिक ताकत बनाने का काम किया।

1967 में चरण सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और अपना एक नया राजनीतिक दल बनाया जिसे भारतीय क्रांति दल कहा गया। महत्वपूर्ण रूप से, चरण सिंह ने 1967 में राज नारायण और राम मनोहर लोहिया के प्रत्यक्ष समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला। 1970 में कांग्रेस पार्टी के दो भागों में विभाजित होने के बाद उन्होंने बाद में 1970 में कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला। लेकिन 1975 में, भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी ने आपातकाल की स्थिति घोषित की और अपने सभी राजनीतिक विरोधियों चरण सिंह सहित अन्य विपक्षी नेताओं को जेल की सजा सुनाई। 1977 के आम चुनावों में, भारतीय जनता ने उन्हें वोट देकर बाहर कर दिया और विपक्षी पार्टी, जिसके चौधरी चरण सिंह एक वरिष्ठ नेता थे, सत्ता में आई। लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर जेल से रिहा होने के बाद चरण सिंह ने मोरारजी देसाई की जनता पार्टी के साथ गठित राजनीतिक दल का विलय कर दिया। चरण सिंह ने लोकसभा चुनाव में मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता सरकार में गृह मंत्री, उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया। 28 जुलाई 1979 को चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस (यू) के सहयोग से प्रधानमंत्री बने। चौधरी का कार्यकाल बहुत छोटा करीब छहः माह का रहा, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद चरण सिंह ने किसानों व आम जनता के हित में कई कदम उठाए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापानषद् (भाग-05)

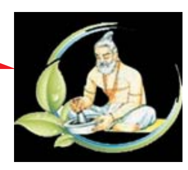

गतांक से आगे...

उसके मध्य में नाभि है तथा उसमें बारह अरों से युक्त चक्र स्थित है। उस चक्र के मध्य में पुण्य-पाप से प्रेरणा प्राप्त करता हुआ जीव यत्र-तत्र भ्रमण करता रहता है। जिस प्रकार से मकड़ी अपने द्वारा निर्मित तन्तु (जाल) के अन्दर भ्रमण करती रहती हैं, उसी तरह से यह जीव भी वहीं पर विचरण करता रहता है। इस देह में जीव प्राण के ऊपर सतत आरूढ़ रहता है।

नाभि के समीप नीचे एवं ऊपर की ओर कुण्डलिनी का क्षेत्र स्थित है। कुण्डलिनी शक्ति आठ प्रकार की प्रकृति से युक्त एवं आठ कुण्डली (घुमाव) बनाये हुए है। यह शक्ति योग की अवस्था में वायु के संचार को यथावत् करके जल एवं अन्न आदि को चारों ओर से कन्धों के पार्श्व में स्थिर करके पुनः मुख से लेकर ब्रह्मरन्ध्र तक अपान तथा अग्नि के द्वारा जाग्रत् होती है। यह स्फुरणयुक्ता शक्ति हृदयाकाश में महान् उज्ज्वल एवं ज्ञानरूपा होती है। कुण्डलिनी का आश्रय प्राप्त करके मध्य में स्थित रहने वाली चौदह मुख्य नाड़ियाँ हैं। ये क्रमशः इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना, सरस्वती, वारुणी, पूषा, हस्तजिह्वा, यशस्विनी, विश्वोदरी, कुहू, शंखिनी, पयस्विनी, अलंबुसा एवं गान्धारी नामवाली हैं।

इन समस्त नाड़ियों में सुषुम्ना नाड़ी विश्व को धारण करने में समर्थ तथा मोक्षमार्ग को प्रदान करने वाली है, ऐसा योगीजन कहते हैं। गुदा के पृष्ठ भाग में वह नाड़ी मेरुदण्ड के आश्रित रहती है तथा मस्तक में ब्रह्मरन्ध्र तक पहुँचती है। यह स्पष्ट, सूक्ष्म एवं वैष्णवी रूपा होती है।

इस सुषुम्ना नाड़ी के बायीं ओर इड़ा नामक नाड़ी है तथा दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। इड़ा में चन्द्रमा चलायमान रहता है और पिंगला में सूर्य विचरण करता है। चन्द्रमा तमोगुण के स्वरूप वाला एवं सूर्य रजोगुण के स्वरूप से युक्त है। चन्द्रमा अमृत का क्षेत्र है तथा सूर्य विष का प्रभाग है। ये दोनों सम्पूर्ण काल को धारण करते हैं। सुषुम्ना नाड़ी काल का उपभोग करने वाली है।

सुषुम्ना के पृष्ठ भाग की तरफ सरस्वती नाड़ी विद्यमान है तथा उसके बगल के क्षेत्र में कुहू नाड़ी स्थित है। यशस्विनी एवं कुहू के मध्य में वारुणी नाड़ी प्रतिष्ठित है। पूषा और सरस्वती के मध्य में पयस्विनी नाड़ी स्थित है। गान्धारी और सरस्वती के मध्य में यशस्विनी नाड़ी विद्यमान है। कन्द के बीच में अलम्बुसा नाड़ी है।

सुषुम्ना नाड़ी के पूर्व भाग में लिंग क्षेत्र तक कुहू नाही फैली हुई है। कुण्डलिनी के नीचे एवं ऊपर की ओर वारुणी नाड़ी चारों तरफ गयी हुई है। यशस्विनी और सौम्या पैर के अँगूठे तक फैली हुई है। पिङ्गला नाड़ी ऊपर की तरफ चलकर के दायीं नासिका तक पहुँचती है। पिंगला के पृष्ठ भाग की तरफ से दायीं आँख तक पूषा नाड़ी फैली हुई है। दायें कान तक यशस्विनी स्थित है।

क्रमशः...

शिक्षण संस्थाओं को आगे बढ़ाने में खास रूचि रखते थे बीके बिड़ला

प्रज्ञा पाण्डेय

बसंत कुमार बिड़ला, बिड़ला परिवार के एक बिजनेसमैन थे। वह कृष्णार्पण चैरिटी ट्रस्ट, बीके बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और विभिन्न शैक्षणिक ट्रस्टों और संस्थानों के अध्यक्ष भी थे। बिड़ला परिवार देश के बड़े औद्योगिक घरानों में से एक है। इस घराने ने देश में आजादी की लड़ाई में नैतिक समर्थन दिया। बिड़ला परिवार से गांधी जी के घनिष्ठ सम्बन्ध थे।

अप्रैल 1941 में उन्होंने जमनालाल बजाज और महात्मा गांधी द्वारा एक-दूसरे से परिचय कराने के बाद, कार्यकर्ता और लेखक बृजलाल बियानी की बेटी सरला से शादी की। बी.के. बिड़ला बिड़ला सेंचुरी टेक्सटाइल्स एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन थे और 15 साल की उम्र से बिजनेस में एक्टिव रहे। उन्होंने कई कारोबारी पहलों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने अपने कैरियर के प्रारम्भ में काम की शुरुआत केसोराम इंडस्ट्रीज के चेयरमैन के रूप में की थी। वैसे तो बी.के. बिड़ला का उद्योग देश और देश के बाहर भी फैला हुआ था लेकिन बिड़ला ने खास तौर से कपास, विस्कोस, पॉलिस्टर और नायलॉन धागा शिपिंग, पारदर्शी कागज, सीमेंट, कागज, चाय, कॉफी, इलायची, रसायन और प्लाईवुड जैसे क्षेत्रों में अवसरों का फायदा उठाया।

वह कृष्णार्पण चैरिटी ट्रस्ट के अध्यक्ष थे, जो राजस्थान के पिलानी में बी.के. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, स्वर्गग्राम ट्रस्ट नाम से एक इंजीनियरिंग कॉलेज चलाता है। साथ में ऋषिकेश में एक संस्कृत विद्यालय भी चलाता है। उन्होंने कतर में बिड़ला पब्लिक स्कूल और मुंबई के पास कल्याण में बिरला कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स की स्थापना भी की। वह कई किताबों के लेखक भी हैं, जिसमें स्वंता सुखाय नामक आत्मकथा भी शामिल है।

वह न केवल एक बड़े बिजनेसमैन थे बल्कि उनकी विभिन्न विषयों में रूचि भी थी। उन्हें वायलिन बजाने, किताबें लिखने और फोटोग्राफी का शौक था। साथ ही उन्होंने देश में कई शैक्षणिक संस्थाओं को आगे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभायी है। उनके बेटे आदित्य विक्रम बिडला की अकाल मृत्यु उनके लिए एक बहुत बड़ा झटका था जिसने उन्हें तोड़ दिया। उनकी पत्नी सरला बिड़ला सशक्त महिला थीं। सरला उनकी सच्ची मित्र तथा मार्गदर्शक थीं। दोनों को स्विट्ज़रलैंड और केदारनाथ का एक साथ जाना बहुत पसंद था। एक परिवार के रूप में, बिड़ला ने बहुत दान किया और पूरे भारत में कई मंदिरों का निर्माण किया। वह कला के संरक्षक भी थे। उनके संग्रह में बड़े कलाकार की कृतियां शामिल थीं। भारतीय कॉरपोरेट्स के विदेश में निर्माण इकाइयों में जाने से पहले, बीके ने इथोपिया में एक कपड़ा फैक्ट्री स्थापित की। जय श्री चाय के नाम से उनका प्रमुख चाय उद्योग था जिसके 26 बाग हैं जो ज्यादातर असम और दार्जिलिंग में हैं। स्वभाव से कम खर्चीले बीके ने पूरे देश में स्कूल, कॉलेज, इंजीनियरिंग और प्रबंधन संस्थान बनाए। कुछ सबसे प्रसिद्ध संस्थाओं में पुणे का बिट्स-पिलानी, बीके बिड़ला सेंटर ऑफ एजुकेशन, दिल्ली का बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी और कोलकाता में अशोक हॉल शामिल हैं। उन्होंने कोलकाता को बिरला अकादमी भी दी, जिसमें चित्रों और मूर्तियों का शानदार संग्रह और कलामन्दिर में एक विश्व स्तरीय सभागार भी है।

क्या अमेरिका-चीन युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं?

नीरज मनजीत

क्या चीन सचमुच कब्ज़ा जमाने के लिए ताइवान पर चढ़ाई कर देगा? यदि ऐसा हुआ तो क्या अमेरिका अपना वादा निभाते हुए चीन के ख़िलाफ़ युद्ध छेड़ देगा? हालांकि इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, मगर ताइवान के आसपास चीनी आर्मी का हमलावर रवैया और जवाब में दक्षिण चीन समुद्री इलाके में अमेरिका के जंगी जहाज़ की तैनाती के बाद इस बात की आशंका काफी बढ़ गई है। अमेरिका ताइवान और उनके मित्र देशों ने इन इलाकों में चीन के सैन्य-दबाव का जवाब बिल्कुल वैसे ही हमलावर सैन्य-दबाव से दिया है। वैश्विक बिरादरी की दो महाशक्तियों के बीच की तनातनी इस वक़्त चरम की ओर जाती नज़र आ रही है। इस ख़तरनाक तनातनी की शुरुआत पिछले पखवाड़े तब हुई, जब ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन अमेरिका यात्रा पर गई थीं। उनकी यात्रा से पहले ही चीन ने विरोध जताना शुरू कर दिया था। चीन का कहना था कि साई इंग-वेन को स्वतंत्र रूप से अमेरिका की कूटनीतिक यात्रा का कोई अधिकार नहीं है। जबकि साई इंग-वेन साफ़ कह रही थीं कि ताइवान एक आज़ाद मुल्क है और उन्हें दूसरे देशों से राजनयिक रिश्ते जोड़ने का पूरा हक़ है।

दरअसल साई इंग-वेन के प्रवास को लेकर चीन एक और बात से भड़का हुआ था। यात्रा से पूर्व ताइवान ने ऐलान किया था कि साई इंग-वेन इस यात्रा के बीच अमेरिकी कांग्रेस के स्पीकर केविन मैक्कार्थी से भी मुलाकात करेंगी। यह ख़बर आने के बाद चीन ने चेतावनी दी थी कि साई इंग-वेन अगर ऐसा करती हैं, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। मगर साई इंग-वेन ने चीन की इस धौंस-पट्टी को नज़रअंदाज़ करते हुए कैलिफोर्निया की रोनाल्ड रीगन लाइब्रेरी में केविन मैक्कार्थी से मुलाक़ात कर लंबी बातचीत की। इस मुलाक़ात के बाद बुरी तरह चिढ़े चीन ने ताइवान के आसपास सेना का दबाव बढ़ा दिया और तीन दिन के सैन्य अभ्यास का ऐलान कर दिया। इस अभ्यास के दौरान चीनी जंगी जहाज़ ताइवान के समुद्री इलाके में गश्त लगाने लगे। उसके युद्धक विमान भी ताइवानी एयरस्पेस में उड़ रहे थे।

ज़ाहिर है कि यह सब ताइवान को डराने के लिए किया जा रहा था। चीन ने पिछले साल भी ऐसा ही किया था, जब अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान की यात्रा पर आई थीं। उस वक़्त भी चीन ने इस यात्रा की मुख़ालफ़त करते हुए जबरदस्त धमकियों के जरिए इसे रद्द कराने की पूरी कोशिश की थी। चीनी विदेशमंत्री ने अमेरिका को भी चेतावनी देते हुए कहा था कि वह नैंसी पेलोसी को ताइवान न भेजे, अन्यथा अमेरिका और चीन के रिश्ते ख़राब हो सकते हैं। मगर उस दफा भी अमेरिका और ताइवान ने चीनी धौंस की कोई परवाह नहीं की थी। नैंसी पेलोसी बाक़ायदा ताइवान आईं और उन्होंने ताइवानी राजनयिकों से वार्ता भी की। पेलोसी के प्रवास के बाद उस बार भी सैन्य अभ्यास के बहाने चीनी युद्धपोतों ने ताइवान को घेर लिया था तथा अमेरिका और चीन के बीच तनाव बेहद बढ़ गया था।

इस बार लगता है चीन के दबाव मुकाबला करने के लिए अमेरिका और ताइवान ने वैसी ही जवाबी कार्रवाई करने की ठान ली है। अमेरिकी नौसेना ने अपने सातवें बेड़े के विध्वंसक युद्धपोत यूएसएस मिलियस को दक्षिण चीन समुद्री इलाके में भेज दिया है। अमेरिका ने इस समुद्री क्षेत्र में अपना जंगी जहाज़ उतारकर एक तरह से चीन को सीधे चुनौती दे दी है। चीन इल्ज़ाम लगा रहा है कि अमेरिका इस क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है, जबकि अमेरिका का कहना है कि इस मुक्त सागर में गश्त लगाने का उसे पूरा हक़ है। दरअसल साउथ चाइना सी चीन की दुखती रग है। चीन इस इलाके के अधिकांश हिस्से को अपना समुद्री क्षेत्र बताता है। जबकि अमेरिका और उसके मित्र देश इसे अंतरराष्ट्रीय मुक्तक्षेत्र मानते हैं। इसी बात को लेकर पड़ोसी देशों--वियतनाम, ब्रूनेई, मलेशिया, ताइवान और फिलीपींस के साथ भी चीन का विवाद चल रहा है। ज़ाहिर है कि ये सारे देश चीन की अतिक्रमण वादी नीतियों परेशान हैं।

हमलावर रुख अख्तियार करने में अमेरिका यहीं तक नहीं रुका है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिका ने फिलीपींस के साथ सैन्य अभ्यास भी शुरू कर दिया है। इस संयुक्त अभ्यास में दोनों देशों के सत्रह हजार सैनिक उतारे गए हैं। इसके पहले इस इलाके में चीन के विस्तारवादी दबाव के जवाब में वैसा ही दबाव बनाने के लिए अमेरिका और फिलीपींस के बीच सैन्य समझौता भी किया गया है। इसके तहत फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनैंड मार्कोस जूनियर ने अमेरिका को अपने देश में चार सैनिक अड्डे बनाने की मंजूरी दी है। फिलीपींस को यह क़दम इसलिए भी उठाना पड़ा, क्योंकि चीन ने दक्षिण चीन सागर में कई कृत्रिम द्वीप बनाकर वहाँ मिसाइलें और फाइटर जेट तैनात कर दिए हैं। इन इलाकों में चीन और अमेरिका की आर्मी की बढ़ती हलचल और ताइवान की जवाबी सैन्य तैयारियों ने एक बार फिर अभूतपूर्व तनाव पैदा कर दिया है। रूस यूक्रेन युद्ध की वजह से सारी दुनिया वैसे ही काफी परेशान है। यहाँ तक कि यूरोप और एशिया के संपन्न देश भी बढ़ती महंगाई और कारोबार में गिरावट को लेकर भयभीत हैं। ऐसे हालात में यदि चीन ताइवान पर चढ़ाई कर देता है, तो अमेरिका को वादा निभाते हुए हर हालत में जंग में उतरना पड़ेगा। तब दुनिया की क्या स्थिति होगी, इसकी कल्पना करना भी कठिन लग रहा है।

वैसे देखा जाए तो युद्ध के मामले में चीन बहुत ही चालाक देश है। 1962 में भारत से युद्ध के बाद चीन किसी भी बड़े युद्ध में नहीं उतरा है। चीन बड़ी ही चालाकी से अपने हर उस पड़ोसी देश को निरंतर दबाव में रखता है, जिससे उसकी लाग-डांट चल रही है। चीन अप्रत्यक्ष युद्धनीति अपनाता है। सही-ग़लत इल्ज़ाम लगाता है, आर्मी तैनात करके धमकाता है, डराता है, मगर कभी सीधे युद्ध में नहीं उतरता। चीनी हुक्मरान अच्छी तरह जानते हैं कि एक विशाल सैन्यशक्ति होने के बावजूद वे यदि युद्ध में उलझते हैं, तो भारी नुक़सान उन्हें भी उठाना पड़ेगा और उनकी अर्थव्यवस्था तथा कारोबार पर चोट पहुँचना तय है। अतः लग यही रहा है कि चीनी सेना एक बार फिर डरा धमकाकर अपने इलाके में लौट जाएगी।

गांधी आज

धनेच्छा

मनुष्यों का बड़ा भाग आर्थिक स्थिति और सुख-सुविधाओं में सुधार और बढ़ती कराना चाहता है, यह बात सामान्य रूप से भले ही कही जाय पर मनुष्यों की धन या सुख की इच्छा की कोई सीमा ही नहीं होती और सभी लखपति, जमीदार या राजा बनने अथवा बागों और महल-अटारियों में रहने को लालायित रहते हैं, सामान्य रूप से ऐसा कहना और इसके लिए दलील सबूत देना साधारण मनुष्यों को न समझने, उनके बारे में हलकी राय रखने और उनके सामने क्षुद्र आदर्श प्रस्तुत करनेवाली बात है।जन-साधारण का बड़ा भाग धन को ठोकर भी नहीं मारता और उसकी अपार तृष्णा भी नहीं रखता। साल के आखीर में दो पैसे बच रहे यह वे ज़रूर चाहते हैं—पर केवल इस विचार से और इतने ही कि बीमारी मौत, शादी-ब्याह या बुढ़ापे में काम आए, अथवा पर्व-त्यौहार, यात्रा, दान- धर्म, का काम चल जाए। धार्मिक संस्कारोंवाली जनता में धन तथा सुख की तृष्णा को अमर्यादित न होने देने का संस्कार थोड़ा-बहुत काम करता ही रहता है। जैसे सब राजा न सिकंदर या नैपोलियन बनने की और न भर्तृहरि या गोपीचंद होने की हवस या उसके लिए पुरुषार्थ करने का सामर्थ्य रखते हैं. वैसे ही करोड़ों मनुष्य न श्रीमान बनने की और न निष्किंचन बनने की हवस या हिम्मत रखते हैं। पर प्रत्येक जन-समाज में कुछ लोगों की महत्त्वाकांक्षा और वैसे ही पुरुषार्थ करने की शक्ति असाधारण होती है। ऐसे कुछ मनुष्य तो अकिंचन बनने का आदर्श रखते हैं और कुछ लाखों रुपए पैदा कर दिखाने का। समाज की व्यवस्था और रचना ऐसी होनी चाहिए कि लोगों की आवश्यक सुख सुविधा और धनेच्छा को धक्का पहुँचाए बिना ऐसे मनुष्य को पुरुषार्थ करने का उचित अवसर मिले, यही नहीं, इसके फलस्वरूप उनकी महत्वाकाँक्षा का पोषण हो तो भी उससे अंत में समाज का लाभ ही हो। यदि समाज-व्यवस्था में ऐसे पुरुषार्थ के लिए उचित अवसर न हो उनकी महत्त्वाकाँक्षा उनके पुरुषार्थ को गलत रास्ते ले जाएगी और मज को हानि करेगी। उद्योग-धंधे तथा समाज-सेवा के कितने ही कामों में अनेक प्रकार के साहस और जोखिम उठाने पड़ते हैं। उनकी सिद्धि संदिग्ध होती है और तत्संबंधी प्रयोगों के लिए सार्वजनिक सभा-सोसाइटियों की अपेक्षा निजी रूप में मनुष्य या निजी संस्थाएं अक्सर अधिक अनुकूल पड़ती हैं। समाज रचना ऐसी होनी चाहिए कि इसके लिए अनुकूल हो ।

संक्षिप्त समाचार

महिला शिक्षा व उत्थान में महात्मा फुले का बड़ा योगदान- डॉ. साहू

सक्ती। सक्ती विधानसभा के ग्राम पंचायत नगरदा के समीपस्थ गाँव गुढ़वा में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सक्ती विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक व भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ खिलावन साहू ने महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि नारी शिक्षा ,महिला उत्थान ,अंधविश्वास ,समाज सुधार जैसे विभिन्न रचनात्मक कार्यों को परतंत्र भारत में विपरीत परिस्थितियो में कार्य कर महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज को नई दिशा दी। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ राजू यादव ,डॉ पूरन साहू ,ग्राम पंचायत धन के पूर्व सरपंच मत्तुलाल यादव ,बाराद्वार मंडल महामंत्री दीपक ठाकुर ,युवा मोर्चा अध्यक्ष जयप्रकाश साहू ,उपाध्यक्ष रुपेश साहू, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामशंकर राठौर, बुथ अध्यक्ष सतीश साहू, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष बसंत सूर्या ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा अरुण साहू, श्याम चौहान प्रमुख रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दाऊ राम राठौर ने किया। कार्यक्रम में ग्राम के वरिष्ठ सियान राधे लाल यादव ,लैनु राम साहू ,रामकुमार यादव, राधेलाल कंवर, प्रकाश यादव, रामदयाल यादव, दिल हरण कंवर, लखन चौहान, कलेश्वर यादव ,गणेशी बाई यादव, गणेशी बाई चौहान ,संतोषी यादव, कीर्तन बाई यादव, गिरजा बाई कंवर, चंद्रिका कंवर,गौरी बाई,शीत बाई, सोनाई बाई आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

हर क्षेत्र में ईमानदारी से कार्य करें - नरेंद्र कुमार बंछोर

भिलाई। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के नव नियुक्त प्रदेश व जिला पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह प्रगति भवन आफिसर्स एसोसिएशन सिविक सेंटर भिलाई में सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार बंछोर महाप्रबंधक भिलाई इस्पात संयंत्र थे। जिन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छतीसगढ के निर्माण में हमारे पुरखो का बड़ा योगदान है।लेकिन उनके सपनों के अनुरूप छग का विकास नही हो रहा है। हर क्षेत्र में ईमानदारी से काम करने की आवश्यता है। छग सर्वसमाज के प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव ने कहा कि हम लोग हर कार्य के लिये सरकार पर निर्भर रहते है। हम लोग मिलकर प्रदेस में जन बल दिखा सकते है।हम भी कुछ करके दिखाये। अब संगठन का 33 जिलों में बिस्तार करेगे।सर्व समाज से चालीस लाख सदस्य बनाकर इस संस्था को नई ऊंचाई तक पहुँचायेगे।विभिन्न जिलों के कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारीयो को नियुक्ति पत्र सौंपा गया।कार्यक्रम का संचालन घनस्याम देवागन व आभार प्रदर्सन चन्दूलाल मरकाम ने किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव, महामंत्री लखन लाल साहू, सलाहकार रमेश साहू, जीवनलाल सिन्हा,उपाध्यक्ष गेंदलाल वर्मा, भोजराम डड़सेना, एम.के साहू, पंचराम साहू, दुर्ग जिलाअध्यक्ष डॉ आर एल साहू,उपाध्यक्ष बोधन यादव,, प्रचार प्रसार मोहित साहू,भागवत सोनी,श्रवन देसमुख, प्रचार प्रमुख, स्याम वर्मा,सम्भू पटेल,मिडीया , प्रचार प्रसार अशोक् साहू,गणेश राम देवागन (महासचिव)महेस यादव (उपाध्यक्ष) कमलेश सूर्यवसी, सन्तोष टंडन, हेमिन चतुर्वेदी, शत्रुघन धनकर ,श्रद्धा साहू, सुमन साहू सहित अन्य जिलों के नवनियुक्त पदाधिकारी व सदस्य गण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का किया निरीक्षण

कोरबा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव कुमार झा के द्वारा जिले के राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिले के ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिल निवार्चन अधिकारी श्री झा ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीनो के बॉक्स को खुलवाकर अवलोकन किया तथा उपस्थित राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों को ईव्हीएम संबंधी जानकारी दी।

उप जिला निवार्चन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्तमान में जिले के वेयरहाउस में बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और व्हीव्हीपीएटी मशीन सुरक्षित रखी गई है। निरीक्षण दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एम के खांडे सहित निर्वाचन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस सुरक्षा बल के जवान उपस्थित थे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने चालानी कार्यवाही की

महासमुंद। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत विकासखण्ड पिथौरा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रवर्तन दल के द्वारा कोटपा एक्ट 2003 (सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003) के तहत् चालानी कार्यवाही की गई। कार्यवाही में औषधि निरीक्षक श्री अखिलेश पांडेय द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में आने वाले विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में कोटपा एक्ट 2003 की धारा 04 सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध, 06 अ नबालिको के तंबाकू उत्पाद के उपयोग व बिक्री पर प्रतिबंध व धारा 06 ब शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध के अन्तर्गत कुल 18 चालान काटे गए।

संविधान देश के लोगों की सबसे बड़ी ताकत - मुख्यमंत्री

संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि देश के लोगों की सबसे बड़ी ताकत बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिया गया हमारा संविधान हैं। हमारा संविधान हमें अधिकार सम्पन्न बनाता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर में संविधान निर्माता, भारतरत्न बाबा साहेब अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सार्वजनिक जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए इस आशय के विचार प्रकट किए। मुख्यमंत्री ने इसके पहले अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी तरफ बाबासाहेब अंबेडकर दबे कुचले समाज को अधिकार दिलाने के लिए संगठित कर संघर्ष कर रहे थे। बाबासाहेब ने समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को शिक्षित और संगठित होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी। श्री बघेल ने कहा कि बाबा साहेब ने यह महसूस किया कि भारतीय समाज की सबसे बड़ी कमजोरी शिक्षा की है। उन्होंने भारतीय दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि हम पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। वैचारिक दृष्टि से हम बहुत ऊंचे हैं, लेकिन हमारा व्यवहार वैसा नहीं है। हमारे समाज में मनुष्यों के साथ भेद-भाव किया जाता है, समानता का व्यवहार नहीं किया जाता। बाबा

साहेब सहित देश के अनेक महापुरूषों ने भारतीय समाज की इस बुराई को महसूस किया और इसके विरूद्ध लड़ाई लड़ी। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने दलितों, शोषितों और पीड़ितों की आवाज बनकर उनके अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि बाबा साहेब जैसे महापुरूष सदियों में एक बार पैदा होते है, उन्होंने हमें 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मंत्र दिया। उनके यही विचार हमें संघर्ष करने और आगे बढने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध के प्रज्ञा, करूणा और मैत्री के संदेश को आत्मसात किया। आज समाज को इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। बाबा साहेब द्वारा दिया गया संविधान हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता का अवसर देता है। संविधान के चलते हमें आरक्षण मिला। बाबा साहेब ने समाज में बदलाव लाने का प्रयास किया। उनके नेतृत्व में लाखों लोगों ने नागपुर में बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जाति प्रमाण पत्र का सरलीकरण किया है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां यदि माता-पिता के पास जाति प्रमाण पत्र है, तो नवजात शिशु को उसका जाति प्रमाण पत्र दे दिया जाता है। यदि किसी के पास 50 साल का रिकार्ड नहीं है तो ग्राम सभा अथवा शहरी क्षेत्रों में सामान्य सभा से प्रस्ताव पारित होने पर जाति प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था की गई है। समाज द्वारा नया रायपुर में जमीन की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को जमीन के मूल्य 10 प्रतिशत राशि तथा अन्य वर्गों को 15 प्रतिशत की राशि देने पर जमीन आबंटित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि समाज शासकीय भूमि लेना चाहे तो जमीन चिन्हित कर लें, निर्धारित प्रक्रिया के तहत जमीन आबंटित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में गुरू घासीदास संग्रहालय, शहीद वीर नारायण स्मारक और विश्व स्तरीय स्कूल बनाया जा रहा है।

विधान सभा अध्यक्ष ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर किया स्मरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने ''अम्बेडकर जयंती'' के अवसर पर आज विधान सभा परिसर स्थित सेन्ट्रल हॉल में प्रतिष्ठापित ''भारत रत्न'' डॉ. भीमराव अम्बेडकर के

तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की ।इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ महंत ने विधान सभा के नए परिसर में डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा स्थपित करने की घोषणा की।इस अवसर पर विधान सभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा एवं सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे । इस अवसर पर अपने संदेश में डॉ. महंत ने डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि-डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर एक मनीषी, योद्धा, विद्वान, दार्शनिक, संविधान निर्माता, वैज्ञानिक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक एवं योग्य प्रशासक थे । उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरूद्ध एक अभियान चलाया और उन्हें इस अभिशाप से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी ।

दपूमरे रायपुर मंडल में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132वां जन्मदिवस मनाया गया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 132वीं जन्म दिवस 14 अप्रैल को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में आयोजित कार्यक्रम मे मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन कर माल्यार्पण किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंडल रेल प्रबंधक ने कहा की डॉ भीमराव अम्बेडकर आज भी दलितों नारियों गरीबो एवं असहायों के मसीहा के रूप में याद किए जाते हैं। इतिहास के पन्नों मे उन्हे संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूम में याद किया जाता है। डॉ भीमराव अम्बेडकर जीवन के हर क्षेत्र -सामाजिक, आर्थिक और राजनिति में लोकतंत्र के पक्षधर थे। वे भारत मॉ के यशस्वी सपूत थे। अंत में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के जन्म दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि रेल सेवा के माध्यम से हमें जो देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है उसे हम पूरे समर्पण, सदभावना, निष्ठा व ईमानदारी से पूर्ण करेंगे। उक्त गरिमामय आयोजन में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि ऑल इंडिया एससी एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर को भीमनगर के लोगों ने जयंती पर किया याद

रायपुर। सुंदरलाल शर्मा वार्ड के अंतर्गत आने वाले भीमनगर में निवासरत लोगों ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार की देर रात उनकी प्रतिमा के सामने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। उसके बाद शुक्रवार की सुबह 11 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें याद किया। इस दौरान बुद्ध वंदन करने के बाद भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास के निकाली गई। इससे पूर्व बाबा साहेब के जीवन व मिशन को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा भीमनगर महिला विंग की अध्यक्ष करुणा वासनिक, शेखर बागड़े, रवि बोरकर, निशांत सिंघाड़े, प्रमोद वासनिक, गौतम उके, नितिन गजभिये, संदीप बंसोड, दिनेश मेश्राम, मिलिंद सुखदेवे, प्रवीण सहारे, अभिषेख कामडे, अक्षय खोब्रागड़े, नरेंद्र जाम्बुलकर, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से कन्हैया अग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी से शशांक रजक उपस्थित थे।इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा भीमनगर महिला विंग की अध्यक्ष करुणा वासनिक ने लोगों को बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलने की बात कही।

एसईसीएल मुख्यालय में मनाई गई डॉ. अंबेडकर की 132वीं जयंती

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय में आज बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती अधिकारी, कर्मचारियों, महिलाओं, बच्चों और श्रम संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक निदेशक तकनीकी (संचालन) एस. के. पाल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (वित्त) जी श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) एस.एन. कापरी, निदेशक (कार्मिक) देबाशीष आचार्या व एसईसीएल संचालन समिति के हरिद्वार सिंह उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा साहब की समाजोन्मुख सोच के परिणामस्वरूप भारतीय समाज में एक नई चेतना का विस्तार हुआ और समाज में काफी सकारात्मक बदलाव आए। बाबा साहब को सामाजिक विचारधारा में परिवर्तन लाने का श्रेय जाता है। बाबा साहब भारतीय संविधान के रचनाकार हैं। इस संविधान से हम सभी अपने अधिकारों व कर्तव्यों से अवगत हुए हैं। उन्होंने समाजोद्धार के लिए जो भी संदेश, विचार, क्रियाकलाप, सिद्धांत बताए हैं उसे अपनाकर हम समाज की उन्नत्ति में अपना योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर श्रम संघ प्रतिनिधि ओपी नवरंग, कृष्णा सूर्यवंशी, डी. पी. दिवाकर व राहुल दास ने अपने सम्बोधनों में अंबेडकर के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला और कार्यक्रम के आयोजन पर प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

कृषि विश्वविद्यालय का नवम् दीक्षांत समारोह 18 अप्रैल को

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का नवम् दीक्षांत समारोह 18 अप्रैल, 2023 को आयोजित किया जाएगा। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित इस दीक्षांत समारोह में लगभग 6 हजार विद्यार्थियों को उपधियाँ प्रदान की जाएगी। राज्यपाल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री विश्वभूषण हरिचंदन की अध्यक्षता में आयोजित नवम् दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेष बघेल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविन्द्र चौबे उपस्थित रहेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व माहानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा दीक्षांत उद्बोधन देंगे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को 62 स्वर्ण, 140 रजत एवं 23 कांस्य पदक प्रदान किये जाएंगे। इस दौरान भव्य दीक्षांत शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए स्नातक उत्तीर्ण 4 हजार 522, स्नातकोत्तर उत्तीर्ण 1 हजार 158 तथा शोध कार्य पूर्ण कर चुके 247 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। इस दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2015-16 से लेकर वर्ष 2021-22 तक कृषि विश्वविद्यालय के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पदक एवं उपाधियाँ वितरित की जाएगी। दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अकादमिक परिधान निर्धारित किया गया है। छात्र कोसे रंग अथवा ऑफ वाईट रंग का कुर्ता तथा सफेद पायजामा पहनेंगे, वहीं छात्राएं कोसे रंग या ऑफ वाईट रंग की साड़ी पहनेंगी। दीक्षांत समारोह के अतिथि कोसे रंग का जैकेट पहनेंगे।

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बस्तर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में शामिल हुईं

चिरमिरी। जनता क्या चाहती है यह महत्वपूर्ण है और जनता के अनुरूप हर सरकार को चलना होगा यह बात महिला मोर्चा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने शराबबंदी पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री कवासी लखमा के बयान की निंदा करते हुए आज महिला मोर्चा के सम्मेलन को संबोधन के दरम्यान कहा। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के द्वारा घोषणा पत्र किए गए वायदों को छलावा बताते हुए भूपेश सरकार को वादा खिलाफी सरकार बताते हुए उपस्थित महिलाओं से वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने का आवाहन किया। शालिनी ने सरकार के खिलाफहुंकार भरते हुए महिलाओं के प्रति सरकार के द्वारा लगातार उपेक्षा किए जाने पर सवाल उठाते हुए हुए बताया कि प्रदेश में महिला सुरक्षित भी नहीं है क्योंकि शराब के नशे में लगातार महिलाओं पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं फिर भी मुख्यमंत्री का यह कहना कि उनके जीते जी शराब बंद नहीं होगी महिलाओं का घोर अपमान है।

बिलासपुर में 6791 लोगों के घर मितान ने पहुंचाएँ शासकीय दस्तावेज

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा 1 मई 2022 से बिलासपुर समेत प्रदेश में शुरू की गई ''मुख्यमंत्री मितान योजना'' का लाभ प्रदेश समेत बिलासपुर वासियों को मिल रहा है। बिलासपुर निगम सहित प्रदेश के सभी 14 नगर निगम क्षेत्रों में यह योजना लागू की गई है। घर बैठे ही मितान योजना से मिल रही सुविधाओं से लोगों को बड़ी सहूलियत मिली है। मितान योजना में अब तक 6 हजार 791 लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया है। इन प्रमाण पत्रों के लिए लोगों को केवल टोल फ्री नंबर 14545 पर अप्वाईंटमेंट बुक कराना होता है। इसके बाद मितान घर आकर प्रमाण पत्र के लिए जरूरी कागजात लेकर जाते है और प्रमाण पत्र तैयार होने के बाद घर पहुंचा देते है। इस योजना को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और घर बैठे ही जरूरी शासकीय दस्तावेज मिल जाने से उनके चेहरे खिल उठे है।नगर निगम बिलासपुर के चिंगराजपारा निवासी श्री विरेन्द्र कुमार देवांगन ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों के निवास और आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए मितान योजना के टोल फ्री नंबर पर 14545 पर कॉल किया। कॉल करने के बाद उन्होंने प्रमाण पत्र के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज मितान

को दिया। मितान के द्वारा श्री देवांगन के घर सभी प्रक्रियाएं पूरी की गई और उनके बच्चों का निवास और आय प्रमाण बन गया। श्री देवांगन इस योजना के बारे में कहते हैं कि छत्तीसगढ़ शासन की इस योजना के माध्यम से अब हमें तहसीलों के चक्कर काटने से छुटकारा मिल गया है। कतियापारा निवासी श्रीमती नेहा भोई ने अपने विवाह के पश्चात् विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए मितान से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि उनका प्रमाण पत्र मितान द्वारा घर पर लाकर दिया गया। सरकण्डा के श्री अर्पित चौहान ने अपने भांजे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए मुख्यमंत्री मितान योजना का लाभ लिया। श्री चौहान ने इस योजना के लिए शासन को धन्यवाद देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री मितान योजना के संचालन से समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है।

हाट बाजार क्लीनिक से दुर्गम इलाकों में सुलभ हुई स्वास्थ्य सेवाएं

प्रदेश में 84 लाख से अधिक मरीजों का हुआ उपचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों विशेषकर पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं तेजी से पहुंच रही है। स्वास्थ्य विभाग का अमला हाट बाजार क्लीनिक के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य के ग्रामीण अंचलों में 1 लाख 50 हजार से अधिक हाट बाजार क्लीनिक का आयोजन किया जा चुका है। इन आयोजनों में 84 लाख से अधिक मरीजों को सीधा फायदा मिला है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाट बाजारों में आयोजित किए जा रहे क्लीनिकों में लोगों को उपचार के साथ-साथ निःशुल्क दवाईयां और पैथोलॉजी की सुविधाएं मिल रही है। योजना के अंतर्गत राज्य में 429 डेडिकेटेड ब्राडिंग वाहन तथा चिकित्सा दलों के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में लोगों का इलाज किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजना मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना से बस्तर-सरगुजा सहित राज्य के अन्य पहुंचविहीन और दुर्गम इलाके में रहने वाले लोगों को काफी फायदा हो रहा है। जहां एक तरफ इस योजना से महिलाओं और बच्चों के पोषण में सतत् निगरानी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ योजना से बस्तर में मलेरिया उन्मूलन अभियान को गति मिली है। इन

इलाकों में महिलाओं और बच्चों में पोषण स्तर की जांच और कुपोषण के रोकथाम के लिए भी यह योजना कारगर सिद्ध हो रही है। सरगुजा संभाग के बैकुंठपुर जिला के ग्राम छिंदडांड निवासी श्री विजय सारथी लंबे समय से उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की समस्या से जूझ रहे थे ।महंगी दवाईयों और इलाज से भी उन्हें अधिक फायदा नहीं हो रहा था। श्री सारथी को एक दिन अचानक सप्ताहिक हाट बाजार में क्लीनिक की गाड़ी दिखी, उन्होंने वहां जाकर चिकित्सकों से पूछा तो निःशुल्क इलाज की जानकारी मिली। जांच करवाने पर आवश्यक दवाई भी निःशुल्क मिली, जिससे उनके तबीयत में सुधार हुआ है ।इसी प्रकार बीपी के समस्याओं से ग्रसित श्री रामनारायण बताते हैं कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर है जिससे उन्हें काफी तकलीफ थी ।हाट बाजार क्लीनिक में उचित इलाज , दवाइयां एवं खानपान की सलाह मिलने से उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है ।कोरिया जिले में विगत सप्ताह में हाट बाजार क्लीनिक में कुल 1758 मरीजों ने जांच कराया तथा 1715 मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का लाभ मिला।

बस्तर अंचल में भी हाट बाजार क्लीनिक योजना का बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभ उठा रहे हैं। बस्तर जिला के ग्राम पखनार के हाट-बाजार क्लिनिक में इलाज करने पहुंचे डॉक्टर दुलेश्वर दानी ने बताया कि इस योजना से यहां गर्भवती माताओं और शिशुओं की जांच व टीकाकरण, संक्रामक तथा असंक्रामक बीमारियों की जांच, नेत्र रोग, कुपोषण, चर्म रोग, मधुमेह, टीवी, उच्च रक्तचाप और परिवार नियोजन संबंधित सलाह दी जा रही है। कटेनार बाजार में ही दुकान लगाने वाली श्रीमती लोदी ने बताया कि हाट बाजार क्लीनिक का लाभ उन्हें मिल रहा है। वह बीपी का चेकअप हाट बाजार क्लीनिक में ही कराती हैं, जहां उन्हें दवाइयां भी फ्री में दी जाती हैं। हितग्राहियों ने बताया कि छोटी-मोटी बीमारियों और उसके टेस्ट के लिए ग्रामीणों को शहर नहीं जाना पड़ता है। चेकअप के दौरान उचित स्वास्थ्य परामर्श दिया जाता है। इसके अलावा एक एंबुलेंस की भी सुविधा है जिससे इमरजेंसी जैसी स्थिति के लिए उपयोग किया जाता है। सरगुजा, बस्तर अंचल में लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय बोली के जानकार चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ की मदद ली जा रही है।

बाबा साहेब के संविधान से मोदी देश को आगे बढ़ा रहे हैं- साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने अंबेडकर जयंती पर आयोजित समारोह को बिलासपुर में सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने भारतीय लोकतंत्र को संविधान की ताकत दी है और इस ताकत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विश्व नेतृत्व करने वाला आत्मनिर्भर भारत, मजबूत भारत, विकसित भारत बना रहे हैं। वंचित वर्ग को सबल बनाने निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। देश बाबा साहेब के बताये रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। भाजपा ने शुक्रवार को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित कर उनका पुण्य स्मरण करते हुए अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने स्थापना दिवस के परिप्रेक्ष्य में भाजपा प्रति वर्ष सामाजिक समरसता न्याय पखवाड़ा का आयोजन कर विविध कार्यक्रम आयोजित करती है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के कार्यक्रमों की श्रृंखला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय को समाज से जोड़ने तथा

सेवा और ज्ञान के परस्पर आदान प्रदान करने के उद्देश्य से निर्मित जी.जी. वी. श्रवण लाइन (जीएसएल) का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय में विभिन्न संकाय में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया। उन्होंने समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षार्थ प्रवेश सेवार्थ प्रस्थान को जीवन का मंत्र बनाने का आह्वान किया और कहा कि सामाजिक समरसता को जीवन में आत्मसात करके सभी के प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार करना हमारे जीवन की सार्थकता है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह बस्तर में अंबेडकर जयंती समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने सामाजिक समरसता को राष्ट्र की प्रगति का एकमेव आधार बताते हुए शोषितों- वंचितों की पीड़ा को अनुभव कर बताया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना ही भारत के नए स्वरूप की अवधारणा को साकार करेगा। राजधानी रायपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने अंबेडकर जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया एवं मरीजों को फल वितरित किया। डॉक्टर्स, नर्स, व सफ़ाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने कोंडागांव के कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा बाबा साहेब के आदर्शों को भौतिक धरातल पर उतार रही है। भाजपा की मोदी सरकार ने वंचितों को उनका हक दिया है और आगे बढ़ने के अवसर दिए हैं।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम और पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व पूर्व सांसद विष्णुदेव साय अंबिकापुर के कार्यक्रम में शामिल हुए। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व मंत्री व विधायक पुन्नूलाल मोहले ने बलौदाबाजार में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बिल्हा विधानसभा के कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी उपस्थित रहे।

डॉ. रमन सिंह, बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रायपुर। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने लालबाग, जगदलपुर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही उनके कार्यों व परिश्रमों को याद कर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज हमें इस बात से अभिभूत होना चाहिए कि आज देश जो तरक्की कर रहा है इसमें बाबा साहेब अंबेडकर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने समाज के हर तबके को समानता के एक सूत्र में पिरोने का काम किया। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह दंतेश्वरी मंदिर भी पहुंचे जहां पूजा-अर्चना कर उन्होंने प्रदेश की सुख,समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

हम किताब थे किताब ही रह गए...

देश में 70 साल में विकास नहीं हुआ,2014 के बाद ही विकास हुआ है ऐसे दावे की चर्चा के बीच खुलासा भी जरुरी है।पंडित जवाहर लाल नेहरू,श्रीमती इंदिरा गाँधी और राजीव? गांधी का सम्पूर्ण कार्यकाल 37 वर्ष 9 मास 23 दिन का रहा जिसमें देश को बदलने वाले बड़े बड़े फैसले किये गए। लगभग इस? 38 वर्ष को 70 साल कहना कहां तक ठीक है? इस अवधि में गुलजारी लाल नंदा का दो बार 13से13 दिन, श्री लालबहादुर शास्त्री का 1 वर्ष 216 दिन, श्री पीवी नरसिंह राव का 4 वर्ष 303 दिन और डॉक्टर मनमोहन सिंह का 10 वर्ष 4 दिन अर्थात कुल 16 वर्ष 184 दिन जोड़ दें तो भी कांग्रेस पार्टी का पूरा कार्यकाल 54 वर्ष 3 माह 27 दिन का होगा। इस अवधि को भी

70 साल कह कर बुलाना न्यायसंगत नहीं है।70 साल के महावाक्य को पूर्णता प्रदान करने के लिए श्री मोरारजी भाई देसाई, चौधरी चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर,एच डी देवेगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल और 6 साल? बेमिसाल अटल बिहारी बाजपेयी का कालखंड जोड़ना पड़ जाएगा? । तब भी 3 साल बाकी ही रहेंगे। दुर्भाग्यवश इसकी पूर्ति हेतु मोदी सरकार को अपना शुरू का तीन साल उधार देना पड़ेगा। तब कहीं जाकर 70 साल की अवधि पूरी हो पाएगी। अब जरा सोचिए कि 70 साल को देश की बर्बादी का काल कहने में वाजपेयी का 6 साल और अपना शुरू का 3 साल भी शामिल है। आजादी के बाद बिना ढोल नगाड़े बजाए वाजपेयी का 6 साल कोई कम या कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता।जाहिर है कि 1947 से 70 वर्ष? की गणना 2017 में ही पूरी होती है। अब अगर अपने शुरू के 3 साल देने में कोई कसमकश है तब ब्रिटिश पीरियड का 3 साल शामिल करने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं बचता.....?

पीएम नहीं, इंदिरा बड़ा नाम है बस्तर में

बस्तर का आदिवासी अंचल नेहरू-गाँधी परिवार को पसंद करता रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जो राजीव गाँधी की सुरक्षा में लगे थे, उन्होंने मुझे बताया था कि बतौर पीएम दौरे पर एक आदिवासी के झोपड़े में पहुंचे और वहीं के एक स्थानीय व्यक्ति ने हल्बी में बताया कि ये देश के प्रधानमंत्री हैं तो उसने उठना भी जरुरी नहीं समझा पर जब उसे बताया गया कि ये इंदिरा गाँधी के बेटे हैं तो वह न केवल उठा बल्कि राजीव गाँधी से माफ़ी भी मांगने लगा यानि बस्तर में पीएम का नहीं पर इंदिरा गाँधी का अलग स्थान है। खैर पहली बार प्रियंका बस्तर प्रवास पर पहुंची थी।उनके परनाना तथा देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बस्तर प्रवास के 68 साल बाद प्रियंका गांधी पहली बार बस्तर प्रवास पर रहीं हैं। वैसे इस आदिवासी अंचल में प्रियंका की दादी इंदिरा गाँधी सहित उनके पिता राजीव गाँधी, माताजी सोनिया सहित राहुल गाँधी भी आ चुके हैं।एक बात उल्लेखनीय है कि नेहरू 13 मार्च 1955 को आए थे और प्रियंका भी 13 अप्रैल 2023 को बस्तर पहुँची थी।वैसे बस्तर में प्रियंका का प्रवास, मंच से भूपेश की तारीफ से यह तो तय है कि अगला विस चुनाव बघेल के नेतृत्व में ही होगा।राजनीतिक जानकारों की मानें तो बस्तर के आदिवासियों के लिए प्रियंका गांधी केवल एक कांग्रेस नेता नहीं, बल्कि इंदिरा की पोती भी हैं। लिहाजा आदिवासियों का भावनात्मक लगाव भी प्रियंका गांधी से जुड़ा हुआ है। छत्तीसगढ़ में इस वक्त बस्तर लोकसभा समेत विधानसभा की सभी 12 सीटों में कांग्रेस के विधायक हैं और पार्टी इस बात को बखूबी जानती है कि छग में सत्ता तक जाने की राह आदिवासी बाहुल्य बस्तर से होकर ही गुजरती है। इसलिए चुनाव से पहले प्रियंका के दौरे से कांग्रेस अपनी जमीन और ज्यादा मजबूत करना चाह रही है, वैसे बस्तर में जिस तरह भाजपा के नेता लगातार सक्रिय हैं, हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आकर गये हैं,आदिवासी आरक्षण से लेकर नारायणपुर, सुकमा में जिस तरह एक वर्ग विशेष को लेकर विपक्ष माहौल बनाने प्रयासरत है ऐसे समय में प्रियंका का दौरा कांग्रेस के लिये वातावरण बनाने में निश्चित ही मदद करेगा।

तब के कलेक्टर ने नहीं पहचाना, नक्सली बरी!

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कलेक्टर रहे आईएएस एलेक्स पाल मेनन ने अपहरण,2 सुरक्षा कर्मियों की हत्या और शर्तों में 13 दिन बाद रिहाई के चर्चित मामले में तत्कालीन कलेक्टर एलेक्स द्वारा आरोपी नक्सली को नहीं पहचानने के कारण रिहा कर दिया गया है।एनआईए कोर्ट में एलेक्स पाल मेनन के सामने कलेक्टर के अपहरण मामले में आरोपी रहे हार्डकोर नक्सली भीमा कमला उर्फ आकाश को पेश किया गया, लेकिन आईएएस ने उसे पहचानने से मना कर दिया।दरअसल 11 साल पहले सुकमा जिले के पहले कलेक्टर रहे आईएएस अधिकारी एलेक्स पॉल मेनन को 21 अप्रैल 2012 को नक्सलियों ने अपहरण कर

लिया था और करीब 13 दिनों तक अपने साथ रखा इसके बाद 4 मई 2012 को उन्हें रिहा किया गया,इस मामले में बकायदा एनआईए ने भी नक्सलियों द्वारा कलेक्टर के अपहरण की जांच के लिए टीम बनाई थी।घटना के 11 साल बाद अपहरण के मामले में दंतेवाड़ा जिले में बने एनआईए कोर्ट में कथित तौर पर इस वारदात में शामिल रहे भीमा कमला उर्फ आकाश को कोर्ट में एलेक्स पाल मेनन के सामने पेश किया गया. इस दौरान एलेक्स पाल मेनन ने नक्सली को पहचानने से इंकार कर दिया।

कलेक्टर की गरिमा को ठेस एक सीन ऐसा भी

कलेक्टर जिले का मालिक होता है,उनकी अलग गरिमा होती है। कभी राजनेता उनसे मधुर सम्बन्ध बनने प्रयासरत रहते थे पर कुछ वर्षों से राजनेताओं से निकटता बनाने कलेक्टर अपनी गरिमा को ठेस पहुंचाने में पीछे नहीं हैं, हाल ही में मनेन्द्रगढ़ के कलेक्टर पी एस ध्रुव की चिरमिरी में एक मैच के पुरस्कार वितरण समारोह में विधायक डॉ विनय जायसवाल और उनकी पत्नी महापौर कंचन जायसवाल पैरों के पास बैठे दिखाई दे रहे हैं.... !आखिर इसका क्या मतलब है?

और अब बस....

- बेमेतरा जिले के छोटे से गांव बिरनपुर में छोटे से झगड़े को सम्प्रदायिक तनाव में बदले जाने के पीछे क्या प्रशासनिक चूक भी हुई है...?क्या कलेक्टर, एसपी की बिदाई होगी?
- छग मानव अधिकार आयोग में कार्यकारी अध्यक्ष का पद किसी वरिष्ठ आईपीएस को बनाने रिक्त रखा गया है?
- कलेक्टर, एसपी की तबादला सूची निकलने में देरी क्यों हो रही है?

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

बिजली के दामों में कटौती भूपेश सरकार का जनकल्याणकारी फैसला

रायपुर। बिजली में लगने वाली वीसीए चार्ज में 35 पैसा की कटौती का स्वागत करते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार बनने के बाद प्रदेश की जनता को सस्ते दरों पर बिजली मिल रहा है। प्रदेश के 44 लाख

उपभोक्ताओं को हाफ बिजली बिल हाफ योजना का लाभ मिल रहा है। 30 लाख से अधिक बीपीएल उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली दी जा रही है। साढ़े पांच लाख से अधिक किसानों को सिंचाई कार्य हेतु स्थाई बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है। जनता को राहत देने के लिए 1रुपए 10 पैसा लगने वाला वीसीए चार्ज में 2023 में दो बार कटौती किया गया है अब एक रुपए 10 पैसा के स्थान पर तो उपभोक्ता को मात्र 43 पैसा ही वीसीए चार्ज लगेगा। यह महंगाई से पीड़ित जनता को राहत मिलेगा गर्मी के दिनों में आम घर में भी बिजली की खपत बढ़ जाती है उस पर भी राहत मिलेगा। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जहां एक और केंद्र में बैठी मोदी सरकार सभी आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाकर आवश्यक वस्तु के दाम में बढ़ोतरी कर रही है ।

बृजमोहन ने भूपेश से पूछा - क्या राज्यपाल के अधिकार आपके सुविधानुसार होंगे?

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्यपाल

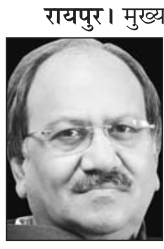

के अधिकारों की समीक्षा करने की बात कहे जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भूपेश बघेल जी जिस राज्यपाल ने आपको शपथ दिलाई, जिस संविधान के तहत अब मुख्यमंत्री बने हैं आप उसी पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या संविधान और राज्यपाल के अधिकार आपकी सुविधानुसार होंगे? बृजमोहन ने कहा की राज्यपाल के अधिकारों की समीक्षा की बात कहकर आप संविधान का अपमान कर रहे हैं। इसका अधिकार किसी को है तो राष्ट्रपति को है, संसद को है, और आप तो अपने आप को राष्ट्रपति और संसद, संविधान से ऊपर मानने लगे हैं। बृजमोहन ने भूपेश से कहा की आपके अधिकारों की समीक्षा कौन करेगा? आप राज्यपाल जी के खिलाफ बोल देते हैं, संविधान के खिलाफ बोल देते हैं। कभी नेहरू जी ने, इंदिरा जी ने, नरसिम्हा राव जी ने भी इस प्रकार की बात नहीं की। उन्होंने कहा मुझे लगता है भूपेश जी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय नेता हो गए हैं। बदहाली के दौर से गुजर रहे छत्तीसगढ़ की चिंता छोड़, जिन मुद्दों से जनता का कोई सरोकार नहीं है बेवजह उन बातों को कर, जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं।

किसान पुत्र की आत्महत्या के लिए सरकार जिम्मेदार- पांडेय

रायपुर। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ इलाके के खल्हारी गांव में सोसायटी प्रबंधक के फर्जीवाड़े का शिकार हुए किसान पुत्र की आत्महत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि किसानों के भरोसे की हत्या करके भूपेश बघेल सरकार भरोसे का सम्मेलन कर रही है। इससे अधिक शर्मनाक स्थिति और क्या हो सकती है कि खुद को किसान का बेटा बताते नहीं थकने वाले मुख्यमंत्री के राज में किसान पुत्र सरकार के सिस्टम की ठगी, धोखेबाजी का शिकार होकर आत्महत्या करने मजबूर हुआ। मुख्यमंत्री ने किसानों का भरोसा तोड़ा है, यह हकीकत भरोसे का राग सुनाने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा को दिखाई नहीं दी। अन्यथा उन्हें भरोसे की फर्जी दलील की जगह भरोसा तोड़ने का सत्य स्वीकार कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछना चाहिए था कि भरोसे की हत्या क्यों कर रहे हैं। सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि सैकड़ों किसानों के नाम से 3 करोड़ रुपये का कर्ज निकाल लिया गया और उन्हें पता ही नहीं चला। जानकारी तब मिली जब उन्हें खाद आदि के लिए पैसा मिलना बंद हो गया। अकेले खल्हारी में 30- 35 किसानों के साथ धोखाधड़ी की गई है। यदि यह धोखेबाजी नहीं की गई होती तो किसान को खाद आदि मिल जाता। उसे आत्महत्या नहीं करना पड़ती। भूपेश बघेल ने किसानों के भरोसे को तोड़ा ही नहीं है बल्कि भरोसे को सूली पर चढ़ा दिया है।

भाजपा बताये प्रदेश में कहां रोहिंग्या, बांग्लादेशी बसे है? - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बीरनपुर की घटना के बाद तथा उसके पहले कवर्धा की घटना के बाद से भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस का प्रचार तंत्र राज्य में झूठा दुष्प्रचार कर रहा है। प्रदेश में बाहरी लोग आकर बस रहे है यह भारतीय जनता पार्टी का नया शिगूफा है। शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा को खुली चुनौती देती है वह बताये कि राज्य में कहां पर प्रदेश के बाहर से लोग आकर बसे है? भाजपा द्वारा सोशल मीडिया में यह भी दुष्प्रचारित किया जा रहा कि राज्य में बांग्लादेशी और रोहिंग्या बस रहे हैं। भाजपा नेता बताये कि प्रदेश के किस स्थान पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी तथा पाकिस्तानी नागरिक बसे है। भाजपा के नेता नही बताते है तो झूठ फैलाने के आरोप में उन पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ जो कि देश में मध्य में स्थित है यहां पर रोहिंग्या, बांग्लादेशी पाकिस्तानी नागरिक आकर बस रहे है जैसा कि रमन सिंह, धरमलाल कौशिक और अन्य भाजपा नेता दावा कर रहे है यह सच है तो यह मोदी सरकार की नाकामी है तथा देश के रक्षा मंत्री तथा गृह मंत्री देश की सुरक्षा संभालने में नाकाम साबित हो रहे है।

जिनका कोई इतिहास नहीं वे इतिहास बदलने की हिमाकत न करें- रिजवी

रायपुर। मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद रिजवी ने कहा है कि देश के प्रथम शिक्षा मंत्री भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की भारतीय इतिहास में मौजूदगी को विलोपित करने की मुहिम गैरवाजिब एवं निंदनीय हरकत है। मौलाना का उल्लेख वाले शब्दों को एनसीईआरटी की किताबों से भाजपा द्वारा हटाया जा रहा है। मौलाना आजाद इतिहास पुरूष हैं जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। देश की आजादी का इतिहास आजाद के बिना अधूरा है। यह भाजपा संघ की स्तरहीन मानसिकता का परिचायक है। मौलाना आजाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद की शोभा भी बढ़ा चुके हैं। आजाद की विद्वता एवं शिक्षा क्षेत्र में अकल्पनीय योगदान को न तो भाजपा समझ सकती और न ही संघ। भाजपा एवं आरएसएस में कांग्रेस के महान स्वतंत्रता सेनानियों के कद का कोई पूर्वज नहीं है जो भाजपा व संघ की कमतरी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। देश की वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को मौलाना आजाद की काबलियत से वंचित रखने का यह असफल प्रयास है। रिजवी ने कहा है कि एनसीईआरटी की किताबों से मौलाना के उल्लेख हटाने के पीछे भाजपा की साम्प्रदायिक सोच को उजागर करता है।

भूपेश बघेल ने आरक्षण के नाम पर छत्तीसगढ़ वासियों को किया गुमराह

रायपुर। भूपेश बघेल ने आरक्षण के नाम पर हमेशा छत्तीसगढ़ वासियों को गुमराह किया है । यह वह मुख्यमंत्री हैं जिस समाज से आते हैं उसी ओबीसी वर्ग को ही आरक्षण के मामले में ठगा है 15 अगस्त 2019 को इस प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने 82% आरक्षण की घोषणा की और इस 82% आरक्षण देने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने दूसरे राज्यों में जाकर अपना सम्मान भी करवाया । यह घोषणा उस समय की गई जब 58 प्रतिशत आरक्षण का मामला पहले से ही उच्च न्यायालय में चल रहा था। जिसमें 27% पिछड़ा वर्ग को 32% आदिवासी वर्ग को अनुसूचित जाति वर्ग को 13% एवं सामान्य रूप से कम आय वाले को 10% आरक्षण प्रदान किया गया था जो छत्तीसगढ़ शासन ने 4 सितंबर को इसका अध्यादेश लागू कर दिया। इस अध्यादेश को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार यहां के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने

विधानसभा में 6 सप्ताह के अंदर पारित ही नहीं कराया। अगर मुख्यमंत्री संवैधानिक व्यवस्थाओं को समझते तो अध्यादेश को विधानसभा में पारित करवा लेते हैं इन्हें संविधान पर कभी भरोसा नहीं रहा। देवलाल ठाकुर ने कहा यह हम नहीं कह रहे हैं कोर्ट पर जाकर सरकार के द्वारा पक्ष दिया गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने आरक्षण बढ़ाने वाली अध्यादेश को विधेयक के रूप में पारित ही नहीं करवाई। जिससे वह कालातीत हो गया पिछड़ा वर्ग के महासभा को भी छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी दी गई है। 58 प्रतिशत आरक्षण तो बचा नहीं पाए अब 76 प्रतिशत आरक्षण के लिए संविधान की दुहाई देते हैं जबकि इस प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद ही संविधान के विरोध में कार्य करते हैं।

कांग्रेस का जय भारत सत्याग्रह जोरों पर

- **अब होगी शहरों, कस्बों में नुक्कड़ सभायें**
- **राहुल गांधी से मोदी सरकार डरी हुई - मोहन मरकाम**

रायपुर। जय भारत सत्याग्रह में कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार की अडानी परस्ती नीति और लोकतंत्र विरोधी चरित्र को बेनकाब कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश में जय भारत सत्याग्रह चला रही है। जनता के बीच घोटाले के तथ्यों को लेकर पत्रकारवार्ताये प्रदेश, जिलों और ब्लाकों में आयोजित किया गया। सभी जिलों में मशाल रैली निकाली गयी। अब 15 अप्रैल से 20 अप्रैल तक ब्लाक, शहरो और कस्बों में कांग्रेस के पदाधिकारी नुक्कड़ सभा कर मोदी सरकार को बेनकाब करेंगे। पोस्टकार्ड अभियान, सोशल मीडिया कैंपेन चला रहा है। इसके बाद संभागीय सम्मेलन और प्रदेश स्तरीय रैली कर मोदी सरकार के तानाशाही रवैय्ये के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया जायेगा। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रदेश स्तरीय रैली, एक दिन का उपवास सभी जिले में गांधी जी के प्रतिमा के समक्ष सार्वजनिक स्थानों पर किया जायेगा।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि अडानी समूह ने देश का सबसे बड़ा घोटाला कर दिया। देश की सारी विपक्षी पार्टियां घोटाले की जांच की मांग कर रही है। लेकिन सत्ता में बैठी भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अडानी के घोटाले की जांच करवाने के लिये तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री अडानी के घोटाले की जांच से डर क्यों रहे है? अडानी के घोटाले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री से मात्र तीन सवाल पूछे थे। उनका जवाब देने के बजाये उनकी संसद सदस्यता खत्म करने की साजिश रची गयी। राहुल गांधी से मोदी सरकार डरी हुई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हिंडेनबर्ग खुलासे के लंबा समय बीत जाने के बावजूद अब तक ना कोई एफआईआर, ना किसी भी तरह की जांच का आदेश? आखिर मोदी सरकार मौन क्यों है? हिंडनबर्ग के रिपोर्ट में उजागर आर्थिक अनियमितता, मनी लॉड्रिंग, ब्लैक मनी और विदेशों में फर्जी सेल कंपनियां बनाकर किए जा रहे हैं फर्जीवाड़े पर भाजपा और मोदी सरकार को भी भागीदार है। अडानी से भाजपा को सपोर्ट मिलता है, चुनाव लड़ने के लिए पैसा मिलता है और इसीलिए अडानी को बचाने उसके फर्जीवाड़े पर मोदी सरकार पर्दा डाल रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि आखिर सरकारी बैंकों से अडानी को अनुपातहीन लोन किस के दबाव में दिया गया? षड्यंत्र उजागर होने के बाद भी एलआईसी का पैसा क्यों दबाव पूर्वक अडानी की कंपनी में लगवाया जा रहा है? एलआईसी और एसबीआई देश की जनता का भरोसा है, जिसे षड़यंत्र पूर्वक व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पूंजीपत मित्र पर लुटाया जा रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.